हरिभूमि
रायपुर भूमि

16 महीने बाद भी पुराने पार्षदों के बोर्ड नगर निगम नहीं लिखा पाया नए के नाम

हरिभूमि लाइव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी में नगरीय निकाय चुनाव हुए करीब 16 माह का समय हो चला है, 2025 में हुए नगरीय निकाय चुनाव में रायपुर नगर निगम में 70 वार्डों के पार्षदों का चुनाव हुआ था। इसमें सभी वार्डों में जनता ने अपनी पसंद से पार्षदों का चुनाव किया। इस चुनाव में ज्यादातर नए पार्षद पहली बार चुनकर आए हैं, कुछ वार्डों में पुराने पार्षद दूसरी बार चुनाव ▶▶| शेष पेज 11 पर

केस 1

वार्ड क्रमांक 58 - नगर निगम जोन 6 क्षेत्र स्थित शहीद पंकज विक्रम वार्ड क्रमांक 58 में वार्ड पार्षद स्वप्निल मिश्रा हैं, मगर इस वार्ड में लगे पुराने बोर्ड पर वार्ड पार्षद और जोन अध्यक्ष के रूप में निशा देवेंद्र यादव का नाम दर्ज है। वार्ड के प्रमुख जगह पर ▶▶| शेष पेज 11 पर

केस 2

कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड क्रमांक 54 के मार्ग संकेतक बोर्ड जिसमें मोतीनगर, पार्षद निवास, यश विहार, कर्मा विहार, कविता नगर, गोदावरी नगर, रामेश्वर शिव मंदिर, सुहागा देवी मंदिर और मदरसा मार्ग के लिए लगाई गई मार्ग संकेतक पट्टिका में ▶▶| शेष पेज 11 पर

केस 3

वार्ड 61- नगर निगम जोन 6 क्षेत्र स्थित डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड नंबर 61 में नगर निगम द्वारा भाठागांव मेन रोड, रावणभाठा सिहरिया चौक और सरकारी स्कूल वाले मार्ग संकेतक बार्ड में पूर्व पार्षद सतनाम सिंह पनाग की फोटो के साथ पार्षद के रूप में दर्शाया गया है, जबकि वर्तमान में रवि सोनकर इस वार्ड के नए पार्षद हैं। ऐसे में 16 माह बीतने के बाद ▶▶| शेष पेज 11 पर

केस 4 सुंदरलाल शर्मा वार्ड की पट्टिका में पुराने पार्षद का नाम

रायपुर नगर निगम द्वारा पंडित सुंदरलाल शर्मा वार्ड के अश्वनी नगर, सुंदर नगर, लाखेनगर वार्ड मार्ग संकेतक वाले पीले रंग के बोर्ड में वार्ड पार्षद के रूप में अभी भी अखिलेश कश्यप का नाम दिखा रहा है। इस बोर्ड में पंडित सुंदरलाल शर्मा वार्ड क्रमांक 66 दर्ज है, जबकि वर्तमान ▶▶| शेष पेज 11 पर

केस 5 दो दशक से पार्षद नाम की पट्टिका ही नहीं

रायपुर नगर निगम जोन 9 क्षेत्र स्थित ग्राम जोरा, लभांडी, फुंडहर ऐसे क्षेत्र हैं जहां वार्ड पार्षद के नाम पट्टिका नगर निगम ने आज तक नहीं लगाई है। पहले यह वार्ड पंडित विद्याचरण शुक्ल के नाम से जाना जाता रहा। वार्ड परिसीमन के बाद यह वार्ड पंडित लाल बहादुर शास्त्री वार्ड के नाम से नगर निगम ▶▶| शेष पेज 11 पर

B.M. COLLEGE
BCA | BBA
PGDCA | B.Ed.
आई.टी.आई.
▶ कोपा ▶ इलेक्ट्रिशियन
▶ हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
▶ डीजल मैकेनिक
▶ फायर टेक्नालॉजी
▶ स्टेनो हिन्दी
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
9340311314, 9300850065
9303898329, 9098849923

खबर संक्षेप

रकम दोगुनी करने का झांसा, ठग लिए 20 लाख

रायपुर। पेशे से इंजीनियर को ट्रेडिंग में रकम निवेश करने पर 30 दिन में रकम दोगुनी होने का झांसा देकर अज्ञात जालसाजों के ग्रुप ने 20 लाख रुपए की ठगी कर ली। विशाल गोयल ने खमतराई थाने में ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। उसने पुलिस को बताया कि उसे 13 फरवरी को अज्ञात नंबर के वाट्स एप ग्रुप में जोड़ा। इसके बाद युवती ने कॉल कर विशाल को ऑनलाइन ट्रेडिंग के बारे में जानकारी देते हुए भारी मुनाफा मिलने का झांसा दिया। जालसाजों के झांसे में आकर इंजीनियर ने रकम निवेश की। बाद में रकम निकालने की कोशिश करने पर और पैसों की मांग की गई, तब इंजीनियर को अपने साथ ठगी होने की जानकारी मिली।

शराब की अवैध बिक्री करते धरा गया कोचिया

रायपुर। देवपुरी, भाठागांव में शराब बेचते एक युवक को टिकरापारा पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5.940 लीटर शराब जब्त की है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने अजय जांगड़े को शराब बिक्री करते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को चकमा देकर भागने की कोशिश करने पर उसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा है। शराब की कुल कीमत साढ़े तीन हजार रुपए आंकी गई है।

वाहन चोर गिरफ्तार

रायपुर। गुढ़ियारी, रामनगर सब्जी बाजार से गाड़ी का लॉक तोड़कर मालवाहक गाड़ी चोरी कर ले जाने वाले शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पिंटू साहू की शिकायत पर पुलिस ने धमतरी, कुरुद निवासी अनिल कुमार नेताम को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ धमतरी में वाहन चोरी के तीन प्रकरण पूर्व में दर्ज हैं।

बाजार में 14 से 16 हजार प्रति हाईवा रेत की कीमत 24 से 30 हजार हुई

रेट तय नहीं और न ही कार्रवाई का प्रावधान, इसलिए कारोबारी मनमानी कीमत पर बेच रहे रेत-गिट्टी

हरिभूमि खास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भवन निर्माण में इस्तेमाल किए जाने वाले सीमेंट, सरिया, ईंट से लेकर उसमें लगने वाले दरवाजा, हैंडल, कब्जा, टाइल्स सहित अन्य कई प्रकार की सामग्री के बाजार मूल्य तय हैं, लेकिन रेत एवं गिट्टी के मूल्य तय नहीं हैं। देशभर में रेत एवं गिट्टी का मूल्य इसका कारोबार करने वाले ही तय करते आ रहे हैं। यही वजह है कि हर बार बारिश के सीजन में इन दोनों सामग्री का कारोबार करने वाले मनमानी करते हुए न केवल इसकी कीमत दोगुना या उससे अधिक तय करते हैं, बल्कि खुलेआम इसकी बिक्री कर लोगों को लूटते आ रहे हैं। हैरानी यह है कि इस पर अंकुश लगाने के लिए शासन, प्रशासन तथा खनिज विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती। विभाग के अधिकारी यह तक कहने से संकोच नहीं करते कि बारिश के सीजन में खदानों में उत्खनन बंद हो जाता है, जिसके कारण रेत की कीमत बढ़ना स्वाभाविक है।

रायल्टी समेत प्रति हाईवा रेत खदान से 7 हजार में निकल रही

रेत की कीमत की बात करें, तो ठेकेदार को खदान से रेत उत्खनन कर लोडिंग कराने तथा उसकी रायल्टी मिलाकर लगभग प्रति हाईवा सात हजार रुपए तक खर्च आता है। इसके अलावा एक-दो हजार ट्रांसपोर्टिंग भाड़ा लगता है। इस तरह प्रति हाईवा रेत गंतव्य स्थान तक पहुंचाने में लगभग 9 हजार रुपए लगता है। इसके बाद बाजार में थोक एवं चिल्हर कारोबारियों के माध्यम से यही रेत प्रति हाईवा 14 से 15 हजार रुपए तक सामान्य दिनों में बेची जाती है, लेकिन बारिश के दिनों में 24 हजार रुपए प्रति हाईवा तक बिक रही है। इस तरह रेत के कारोबारियों ने मनमाने तरीके से रेत की कीमत बढ़ा दी है।

बारीक रेत 30 हजार प्रति हाईवा

रायपुर जिले की खदानों से सिर्फ मीडियम रेत ही निकलती है, वहीं बारीक रेत का गरियाबंद एवं धमतरी जिले में उत्खनन होता है। बारीक रेत भी सामान्य दिनों में 16 से 18 हजार रुपए प्रति हाईवा में बिक्री होती है, लेकिन बारिश का सीजन शुरू होते ही इसकी कीमत बढ़ते हुए प्रति हाईवा 30 हजार रुपए तक पहुंच गई है।

गिट्टी भी 10 हजार महंगी

रेत की तरह गिट्टी भी साइज के अनुसार सामान्य दिनों में प्रति हाईवा 16 से 18 हजार रुपए में बेची जाती है, वहीं इसकी कीमत भी इन दिनों 27 से 28 हजार रुपए प्रति हाईवा हो गई है।

रेट तय नहीं, न ही कार्रवाई का प्रावधान

खनिज विभाग के अधिकारियों का कहना है कि रेत एवं गिट्टी की कीमत निर्धारित नहीं है, इसलिए इस पर अंकुश लगाने के लिए औचक निरीक्षण कर कार्रवाई का भी कोई प्रावधान नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि कीमत तय नहीं है, इसलिए विभाग में कार्रवाई का प्रावधान भी नहीं है।

कार्रवाई का कोई प्रावधान नहीं

विभाग का काम सिर्फ खदानों की नीलामी प्रक्रिया पूरी कराना है, जिसके बदले विभाग को रायल्टी के रूप में राजस्व मिलता है। रेत एवं गिट्टी को किस कीमत पर बेचा जाना है, यह निर्धारित नहीं है, और न ही कार्रवाई का प्रावधान है। विभाग में अधिक कीमत पर बिक्री संबंधी एक भी शिकायत नहीं आई है। अगर आएगी, तो उसका निराकरण किया जाएगा।

*- **राजेश मालवे**, उप संचालक, खनिज विभाग रायपुर*

दो युवतियों पर एफआईआर

हनीट्रैप में फंसाकर युवक से पैसों की मांग, एफआईआर दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शंकर नगर के एक युवक को दो युवतियों ने हनी ट्रैप में फंसाकर 25 हजार रुपए वसूलने के बाद और पैसों की मांग की और पैसा नहीं देने पर युवतियां युवक को झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रही थीं। युवक की शिकायत पर सिविल लाइंस पुलिस ने गुढ़ियारी की दो युवतियों के खिलाफ एक्सटार्सन का अपराध दर्ज किया है और मामले की जांच कर रही है।

जयंत चौधरी ने नित्या सिंह तथा पायल उर्फ आंचल तिवारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। युवक ने पुलिस को बताया है कि उसकी पहचान दोनों युवतियों से दो माह पूर्व मई में हुई थी। इसके बाद दोनों लड़कियों ने पार्लर खोलने के नाम पर आर्थिक मदद मांगी। इसके बाद वे लगातार फोन और मैसेज के माध्यम से संपर्क में रहीं और मिलने का दबाव बनाती रहीं।

धमकी देकर 25 हजार रुपए वसूले

लगातार मिल रही धमकियों से डरकर 25 जून को तरुण नगर हाट बाजार के पास पीड़ित ने अपने मित्र के साथ दोनों युवतियों को 25 हजार रुपए नकद दिए। इसके बावजूद दोनों लगातार और पैसों की मांग करती रहीं। आरोप है कि एक जुलाई को उन्होंने कार में रखे नकदी से भरे बैग पर हाथ साफ करने की कोशिश की।

किया हंगामा

युवक के आरोपों के मुताबिक पैसा देने के बाद 10 जुलाई को दोनों युवतियां उसके ऑफिस पहुंच गईं और स्टाफ के सामने गाली-गलौज करते हुए हंगामा करने लगीं। पैसे नहीं देने पर झूठे दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी दी।

सिगरेट में नशीला पदार्थ मिलाकर किया बेहोश

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि 14 जून को वो अपने साथी के साथ दोनों युवतियों से मिलने गया। इस दौरान लड़कियों ने सिगरेट पीने का ऑफर किया। सिगरेट पीने के बाद जयंत तथा उसका साथी बेहोश हो गए। आरोप है कि इसी दौरान उनकी फोटो और वीडियो बना लिए गए। अगले दिन युवतियों ने फोन कर गलत हरकत करने का आरोप लगाया और मामला दबाने के बदले पैसों की मांग की। साथ ही पैसे नहीं देने पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कराने और परिवार व कार्यालय में बदनाम करने की धमकी दी।

समय सारिणी नहीं बनाने पर प्राचार्य को डीईओ ने दिया शो-कॉज नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जिला शिक्षा अधिकारी एसजी सतीश नायर द्वारा शनिवार को धरसींवा विकासखण्ड के स्कूलों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्कूलों में साफ-सफाई, अव्यवस्था, गंदगी, शिक्षकों की उपस्थिति और वीएसके एप में उपस्थिति को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए बच्चों की पढ़ाई और समय-सीमा में सिलेबस पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

श्री नायर सर्वप्रथम भनपुरी स्थित काशीराम शर्मा शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय (सेजेस) भनपुरी पहुंचे। यहां वे बच्चों के साथ असेम्बली में शामिल हुए। उसके ▶▶| शेष पेज 11 पर

बेटियों को डीईओ ने बांटी साइकिल

श्री नायर मांढर कॉलोनी स्थित शहीद योगेन्द्र शर्मा शासकीय उमा विद्यालय पहुंचे। यहां वे बच्चों के शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बेटियों को साइकिल वितरण किया। उन्होंने शिक्षकों को समय-सीमा में सिलेबस पूर्ण कराने का लक्ष्य भी दिया।

लंबे समय से अनुपस्थित है शिक्षिका

उपस्थिति पंजी चेक करने के दौरान डीईओ द्वारा पकड़ा गया कि यहां पदस्थ व्याख्याता लंबे समय से अनुपस्थित है, जिसने आज पर्यन्त तक अपनी उपस्थिति शाला में नहीं दी है। पूछने पर प्राचार्य ने इसकी शिकायत कार्यालय में होना बताया, जिसकी जांच जारी है। डीईओ ने इसे नोटिस जारी कर कार्यालय को पूरे मामले से अवगत कराने के निर्देश दिये।

पुरानी पेंशन सहित सात सूत्रीय मांग, विरोध प्रदर्शन का ज्ञापन सौंपा

बिजली कर्मचारी महासंघ ने दी बेमुद्दत हड़ताल की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी महासंघ द्वारा सात सूत्रीय मांगों को लेकर डगनिया स्थित बिजली मुख्यालय के सामने प्रदर्शन कर चेयरमैन के नाम ज्ञापन सौंपा गया। महासंघ ने विद्युत कंपनी प्रबंधन को चेतावनी दी है कि यदि उनकी सात सूत्रीय मांगों पर 15 अगस्त तक आदेश जारी नहीं हुआ तो 17 अगस्त से महासंघ द्वारा अनिश्चितकालीन कामबंद आंदोलन किया जाएगा।

विद्युत कंपनी में 2004 के बाद नियुक्त कर्मचारी, अधिकारियों के लिए पुरानी पेंशन बहाली, संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण, नई भर्ती, वेज रिवीजन लागू होने तक 20 फीसदी अंतरिम राहत, रीस्ट्रक्चरिंग और ठेका कर्मचारियों के वेतन भुगतान की मांग को ▶▶| शेष पेज 11 पर

नहीं आ रहे हितग्राही, एचपीवी विशेष टीकाकरण सप्ताह आज से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए लगाई जाने वाली निशुल्क एचपीवी वैक्सीन के लिए हितग्राही नहीं आ रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग विशेष टीकाकरण सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। 12 से 18 जुलाई तक चलने वाले अभियान में ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाने स्कूल शिक्षा और महिला बाल विकास विभाग का सहयोग भी लिया जा रहा है। वैक्सीन पर फैले भ्रम की वजह से परिजन बच्चों को टीका केंद्र तक नहीं भेज रहे हैं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. श्वेता सोनवानी ने बताया कि अभियान को पूरा करने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाने के लिए जिला शिक्षा विभाग, जिला महिला एवं बाल विकास विभाग एवं सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग स्वास्थ्य विभाग से आवश्यक सहयोग एवं समन्वय करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस अभियान का उद्देश्य ऐसी किशोरी बालिकाएं, जिन्होंने अपना 14वां जन्मदिन मना लिया हो एवं 15वां जन्मदिन नहीं मनाया हो, ऐसे को एचपीवी का टीका लगाकर भविष्य में होने वाले गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से सुरक्षित करना है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एवं जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि एचपीवी एक सामान्य वायरस है, जिसके कुछ प्रकार आगे चलकर गर्भाशय ग्रीवा कैंसर कारण बन सकते हैं।

18 जुलाई तक अभियान, शिक्षा और महिला बाल विकास विभाग का सहयोग

सालभर से कोर्ट सूना, शिकायतें कई, पर सुनवाई नहीं हो रही

राज्य अल्पसंख्यक आयोग में सुनवाई अटकी क्योंकि सदस्यों की नियुक्ति अब तक नहीं

विशिष्ट शिकायतों की जांच कर न्याय दिलाने के उद्देश्य से कई आयोगों का गठन

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में अलग-अलग जाति समुदाय लोगों के अधिकारों के हनन, भूमि अधिकारों के उल्लंघन, अत्याचार या भेदभाव से जुड़ी विशिष्ट शिकायतों की जांच कर उन्हें न्याय दिलाने के उद्देश्य से कई आयोगों का गठन किया है। इनमें से एक आयोग का कोर्ट सालभर से सूना पड़ा हुआ है। इस आयोग में शिकायतें तो आती हैं, लेकिन सुनवाई नहीं होती। वजह...आयोग में सदस्यों की नियुक्ति नहीं हुई है। आवेदन आते हैं लेकिन उन्हें विभाग के पास भेज दिया जाता है।

जांच करने संबंधित विभागों को भेजा जा रहा

श्री छाबड़ा ने बताया कि कोर्ट में सुनवाई नहीं करने के बाद भी प्राप्त आवेदनों से संबंधित प्रकरणों के निराकरण किए जा रहे हैं। इसके लिए प्रकरणों को संबंधित विभागों को भेजकर जांच प्रतिवेदन मांगे जाते हैं। इन जांच प्रतिवेदनों पर शिकायकर्ताओं से उनका अभिमत मांगा जाता है। इसके बाद ही प्रकरणों का ▶▶| शेष पेज 11 पर

अल्पसंख्यक आयोग का कोर्ट सालभर से सूना

छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के गठन का उद्देश्य मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, पारसी और जैन समुदायों के अल्पसंख्यक हितों की रक्षा, संरक्षण करने के साथ उनके अधिकारों के हनन और उनके साथ भेदभाव सहित अन्य मामलों की जांच कर उन्हें न्याय दिलाना है। राजधानी रायपुर के पुराना मंत्रालय भवन के पास स्थित अल्पसंख्यक आयोग का मुख्य दफ्तर भी है, जहां आवेदकों की शिकायतों से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई के लिए कोर्ट भी बना हुआ है, लेकिन पिछले सालभर से इस कोर्ट का दरवाजा तक खोला नहीं गया ▶▶| शेष पेज 11 पर

सदस्यों की नियुक्ति नहीं होने से सुनवाई प्रभावित

मैंने जब से अध्यक्ष का पदभार संभाला है, फरियादियों को न्याय दिलाने का प्रयास कर रहा हूं। सदस्यों की नियुक्ति नहीं होने की वजह से प्रकरणों की सुनवाई आयोग में नहीं हो रही। लेकिन शिकायतों को परीक्षण के बाद कार्रवाई के लिए विभाग के पास भेजा जा रहा है।

*-**अमरजीत सिंह छाबड़ा**, अध्यक्ष अल्पसंख्यक आयोग*

इवेंट लाइव

किड्स टेक्नो इवेंटः बच्चों ने रोबोट राइड और गेम्स का उठाया आनंद

रायपुर। अंबुजा मॉल में मामागिग्स क्लब के सहयोग से आयोजित 'किड्स टेक्नो इवेंट' ने बच्चों और उनके अभिभावकों को तकनीक और मनोरंजन का अनूठा अनुभव कराया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों और परिवारों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की टेक्नो थीम, नीयॉन लाइट्स, रोबोट राइड, विभिन्न गेम्स, पॉपकॉर्न और डीजे की धुनों ने पूरे मॉल को उत्सव के माहौल में बदल दिया। बच्चों ने उत्साह के साथ गतिविधियों में भाग लिया, जबकि अभिभावकों ने भी परिवार के साथ आयोजन का आनंद उठाया।आयोजकों के अनुसार, इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों को मनोरंजन के साथ नई गतिविधियों से जोड़ना और परिवारों को एक साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने का अवसर उपलब्ध कराना है। अंबुजा मॉल प्रबंधन का कहना है कि समय-समय पर ऐसे आयोजन कर शहरवासियों को खरीदारी के साथ मनोरंजन और पारिवारिक गतिविधियों का मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों की उत्साहपूर्ण सहभागिता और परिवारों की मौजूदगी ने आयोजन को यादगार बना दिया। टेक्नोलॉजी और मनोरंजन के समन्वय से सजे इस कार्यक्रम को प्रतिभागियों ने खूब सराहा।

● शहर में चार दिन बाद श्री जगन्नाथ मंदिरों से निकलने वाली रथयात्रा की तैयारी तेज, कुछ मंदिरों में नई पहल

रथयात्रा के लिए नंदीघोष, तालध्वज और देवदलन का साज-श्रृंगार, सदर बाजार मंदिर के लिए बदला रूट

पुरी की तरह राजधानी के गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर प्रांगण में महोत्सव की तैयारी तेज हो गई है। 16 जुलाई को निकलने वाली रथयात्रा से चार दिन पहले भगवान जगन्नाथ के लिए नंदीघोष, बलभद्र के लिए तालध्वज और देवी सुभद्रा के लिए देवदलन रथ का साज-श्रृंगार किया गया। साथ ही सदर बाजार स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में सेवा का दायित्व दो परिवारों के पास होने से इस उत्सव को खास बनाने के लिए रथयात्रा का रूट भी बदला है।

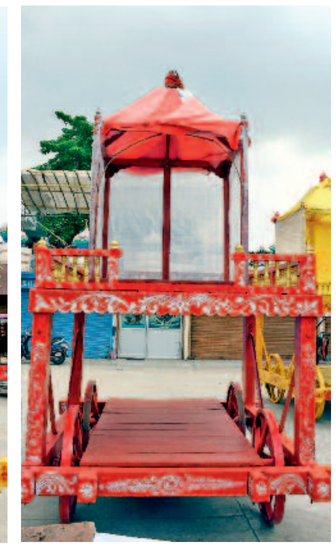

रायपुर। ज्येष्ठ पूर्णिमा से शुरु हुई रथयात्रा से जुड़ी परंपराओं का निर्वहन श्री जगन्नाथ मंदिरों में विधि-विधान से किया जा रहा है। देव स्नान के बाद भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा अस्वस्थ हुए। इसके बाद 15 जुलाई को उनका एकांतवास खत्म होने के साथ ही नयन दर्शन की परंपरा निभाई जाएगी। चले गए हैं। इसके चलते लगभग सभी जगन्नाथ मंदिरों में भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया जाएगा। सदर बाजार, टूरीहटरी, लिली चौक स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर प्रांगण में 15 जुलाई की शाम भजन संध्या का आयोजन भक्तों द्वारा किया जाएगा। साथ ही महोत्सव को सफल बनाने के लिए मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोगों ने अलग-अलग टीम बनाकर काम की जिम्मेदारी तय की है।

प्रसाद रूप में ग्रहण करने से होती है रोगों से रक्ष

गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रमुख एवं उत्तर क्षेत्र के विधायक पुरंदर मिश्रा ने बताया कि भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों का साज-श्रृंगार हो चुका है। भगवान श्रीधाम से नंदीघोष रथ, भगवान बलभद्र तालध्वज और देवी सुभद्रा देवदलन रथ पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देने के लिए रथयात्रा पर निकलेंगे। मंदिर में कुछ सुधार कार्य किए जा रहे हैं। इसे भी दो दिनों में पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रथयात्रा का रूट यथावत है। गायत्री नगर क्षेत्र का भ्रमण करते हुए रथ बीटीआई ग्राउंड पहुंचेगा और वहां से वापस मंदिर प्रांगण में बनाए गए गुंडिचा भवन में रुकेंगे। इसके बाद 25 जुलाई को बहुड़ा रथयात्रा पर वापस लौटेंगे।

दस साल पहले तय रूट से निकलेंगे जगन्नाथ प्रभु

टूरीहटरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के पुजारी पं. तिलक दास ने बताया कि राजेश्री महंत रामसुंदर दास 16 जुलाई को पूजा-अर्चना के बाद भक्तों के साथ रथ को खींचेंगे। पं. दास ने बताया कि रथयात्रा का रूट दस साल पहले बदला गया था। इस साल भी पुराने रूट से यानी टूरीहटरी, लोहार चौक, पुरानी बस्ती थाना, सत्ती बाजार, आजाद चौक, तात्यापारा, आमापारा से लाखेनगर में निर्मित गुंडिचा गृह यानी मौसी के घर में रुकेंगे। इसके बाद बहुड़ा रथयात्रा के शुभ अवसर पर वापस श्रीधाम स्थित गर्भगृह में विराजेंगे व भक्तों को दर्शन देंगे।

जयस्तंभ, मालवीय रोड से निकलेगी रथयात्रा

सदर बाजार स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रमुख पं. मोहित पुजारी ने बताया कि मंदिर संचालन का दायित्व दो परिवारों द्वारा निभाया जाता है। इससे पहले नेहरू नगर स्थित दीपक हाउस ही गुंडिचा भवन होता था। रथयात्रा सदर बाजार से कोतवाली चौक, कालीबाड़ी, पुलिस लाइन गेट से नेहरू नगर पहुंचती थी। सदर बाजार, कोतवाली चौक, मालवीय रोड, जयस्तंभ, रवि भवन से होते हुए एमजी रोड स्थित गुंडिचा (मौसी) स्वरूप पुजारी भवन में रुकेंगे। इसके बाद चातुर्मास शुरू होने से पहले भगवान अपने गर्भगृह लौटेंगे।

सिटी लाइव

आज से राज्य स्तरीय बॉक्सिंग और सुब्रतो फुटबॉल प्रतियोगिता

रायपुर। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) द्वारा राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का कैलेंडर जारी किए जाने के बाद छत्तीसगढ़ में राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का दौर शुरू हो गया है। इसी कड़ी में राजधानी रायपुर में 12 से 15 जुलाई तक राज्य स्तरीय सुब्रतो फुटबॉल और बॉक्सिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के विभिन्न आयु समूहों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए शनिवार से ही प्रदेश के विभिन्न संभागों के खिलाड़ी रायपुर पहुंचने लगे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से खिलाड़ियों के ठहरने और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

प्रदेशभर के 550 से अधिक खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

सहायक जिला खेल अधिकारी छाया प्रकाश राव ने बताया कि बालिका वर्ग के लगभग 215 खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था स्वामी बालाजी भगवान दूधाधारी मंदिर ट्रस्ट धर्मशाला, मठपारा में की गई है। वहीं बालक वर्ग के 335 खिलाड़ियों के लिए संभागवार आवास की व्यवस्था की गई है। इसके तहत बिलासपुर संभाग के खिलाड़ियों को खोखोपारा स्कूल, रायपुर संभाग को मठपारा स्कूल, दुर्ग संभाग को पटेल विद्या मंदिर, सरगुजा संभाग को जे.के. दानी शिक्षण संस्थान तथा बस्तर संभाग को झुमुकलाल महोबिया स्कूल, मठपारा में ठहराया गया है। प्रतियोगिता के तहत सुब्रतो फुटबॉल के मुकाबले कोटा स्टेडियम में और बॉक्सिंग प्रतियोगिता प्रगति क्लब स्थित बॉक्सिंग एरिना में आयोजित की जाएगी। दोनों प्रतियोगिताएं 12 जुलाई की सुबह से शुरू होंगी।

मिट्टी के बेटे : राष्ट्रकाव्य महोत्सव में गूंजे राष्ट्रभक्ति के स्वर, ओज, वीर और हास्य रस की कविताओं से सजा मंच

रायपुर। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में 'मिट्टी के बेटे' राष्ट्रकाव्य महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश-प्रदेश के कवियों ने ओज, वीर, हास्य और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रचनाओं का पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजन में बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी, युवा और गणमान्य नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री अरुण साव रहे। उनके साथ जनप्रतिनिधि, सामाजिक एवं साहित्यिक संगठनों के प्रतिनिधियों की भी उपस्थिति रही। कवि सम्मेलन में देश के प्रसिद्ध कवि शशिकांत

यादव, राम भदावर और अमित शर्मा ने ओज एवं वीर रस की कविताएं प्रस्तुत कीं। वहीं छत्तीसगढ़ के कवि देवेंद्र परिहार, मयंक शर्मा, संस्कार साहू, हीरामणि वैष्णव, नरेंद्र गुप्ता और ईशान शर्मा ने भी अपनी रचनाओं का पाठ किया। कविताओं के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति और मातृभूमि के सम्मान का संदेश दिया गया।

हास्य-व्यंग्य पर लगे ठहाके

कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध कवि शशिकांत यादव ने शुरुआत से अंत तक अपनी ओजपूर्ण कविताओं और हास्य-व्यंग्य से समां बांधे रखा। उन्होंने कहा, एक दिन मैंने फेसबुक पर लिखा था कि 'मिट्टी के बेटे' बुला लिए। लोगों ने पूछा, बेटियों का क्या हुआ? मैंने कहा, आजकल बेटियां वैसे भी बेटों को धक्का दे रही हैं, इसलिए आयोजक भी बेटियों को बुलाने से डर रहे हैं। उनके इस हास्य-व्यंग्य पर सभागार देर तक ठहाकों से गूंजता रहा। इसके बाद उन्होंने मां सरस्वती की वंदना करते हुए अपनी रचना सुनाई। शब्दों की साधना को, भावों की आराधना को, साहित्य में स्थान मिले, ऐसा वरदान दो...। उन्होंने कहा कि मां शारदा से उनकी प्रार्थना है कि समाज में सद्भाव का संदेश फैले और चारों ओर खुशियां बनी रहें।

वीर रस की कविताओं ने खूब बटोरीं तालियां

कार्यक्रम में कवि ईशान शर्मा ने वीर रस और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रचनाओं की प्रस्तुति दी। उन्होंने मंच से कविता पढ़ी, हम तो चक्रधारी योगेश्वर श्याम वाले हैं, नहीं हैं वाम वाले, हम तो मित्र राम वाले हैं, हम शिखा, सूत्र, धोती और खड़ाऊ वाले हैं, तुम जेएनयू वाले हो तो हम जनेऊ वाले हैं। उनकी प्रस्तुति पर श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। ईशान शर्मा की कविताओं में राष्ट्रप्रेम, भारतीय संस्कृति, समाज की पीड़ा और वीर रस का प्रभाव देखने को मिला। वहीं छत्तीसगढ़ के कवि देवेंद्र परिहार, मयंक शर्मा, संस्कार साहू, हीरामणि वैष्णव और नरेंद्र गुप्ता ने भी अपनी रचनाओं के माध्यम से आजादी की लड़ाई, छत्तीसगढ़ की मिट्टी की खुशबू और जनमानस की भावनाओं को अभिव्यक्त किया। उनकी प्रस्तुतियों पर श्रोताओं ने तालियों की गूंज के साथ उत्साहपूर्वक सराहना की।

राम मंदिर में चोरी करने वाला कभी सुख और शांति प्राप्त नहीं कर सकता

रायपुर। श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन शनिवार को कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर महाराज ने अपनी प्रेरक बातों से भक्ति, संस्कृति और सनातन चेतना के दिव्य रंग में रंग दिया। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण जन्म महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर संपूर्ण कथा पंडाल भक्तिरस में सराबोर हो उठा और ऐसा प्रतीत होने लगा, मानो रायपुर स्वयं वृंदावन धाम में परिवर्तित हो गया हो। भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य की मंगल बेला पर भक्तों ने जयकारों, भजनों और नृत्य के माध्यम से अपने आनंद और उत्साह की अभिव्यक्ति की। महोत्सव में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की मनमोहक झांकी निकाली गई, जिसने सभी भक्तों का मन मोह लिया। चारों ओर गूंजते मधुर भजन, शंखनाद और हरिनाम संकीर्तन से वातावरण दिव्य और अलौकिक बन गया। भक्त बड़ी संख्या में इस उत्सव में सम्मिलित हुए और नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से पूरा कथा पंडाल गुंजायमान हो उठा।

भगवान के नाम में अपार शक्ति है

अपने बच्चों का नाम भगवान के नाम पर रखना चाहिए। जब घर में बार-बार राम, कृष्ण, राधा, शिव, सीता, लक्ष्मी या नारायण जैसे दिव्य नामों का उच्चारण होता है, तो वातावरण भी पवित्र और सकारात्मक बनता है। भगवान के नाम में अपार शक्ति है। बच्चों का नाम यदि भगवान के नाम पर रखा जाए, तो

उनके जीवन में भी उन दिव्य गुणों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है। नाम केवल पहचान नहीं, बल्कि संस्कारों की पहली सीढ़ी होता है। राम मंदिर में चोरी करने वाले कभी भी सुखी नहीं रह सकते है। जो व्यक्ति भगवान के घर से धन, आभूषण या किसी भी प्रकार की वस्तु चुराने का प्रयास करता है, वह कभी वास्तविक सुख और शांति प्राप्त नहीं कर सकता। जब मनुष्य ईश्वर से दूर होकर केवल स्वार्थ और लालच के पीछे भागता है, तब उसका विवेक नष्ट होने लगता है और वह सही-गलत का भेद भूल जाता है। सनातन धर्म हमें सिखाता है कि दूसरों की वस्तु पर अधिकार करने के बजाय ईमानदारी, परिश्रम और भगवान पर विश्वास के मार्ग पर चलना चाहिए।

नाम स्पष्टीकरण

सूचित किया जाता है कि मैं सालिक राम धीवर, पिता सुखराम धीवर निवासी ग्राम गनौद पोस्ट ऑफिस गनौद , तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर छत्तीसगढ़, यह घोषणा करता हूं कि मेरी पुत्री का नाम शासकीय अभिलेखों में त्रुटिवश "हिमांशी धीवर" अंकित हो गया है। जबकि मेरी पुत्री का स्कूल रिकार्डो में "हिमांशी तारक "जिसका जन्म तिथि 23,11,2013 को है, निवासी ग्राम गनौद तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर छत्तीसगढ़ है। अतः भविष्य में मेरी पुत्री को समस्त शासकीय, अर्धशासकीय एवम अन्य सभी अभिलेखों/ दस्तावेजों में उसके सही नाम "हिमांशी तारक" से जाना एवं पहचाना जाए।

आवेदक
सालिक राम, पिता- सुखराम,
ग्राम-गनौद, पोस्ट ऑफिस गनौद,
तहसील मंदिर हसौद
जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

चातुर्मास से पुरी पीठाधीश्वर का होगा आगमन, करेंगे धर्मसभा

रायपुर। पुरी पीठाधीश्वर श्रीजगतगुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज का इस बार चातुर्मास शुरू होने से पहले आगमन होगा। सनातन के ध्वजवाहक, राष्ट्र चेतना के प्रणेता और हिंदू समाज को नई दिशा देने वाले अनंत श्रीविभूति पुरी पीठाधीश्वर हिंदू राष्ट्र अभियान के अंतर्गत जगद्गुरु शंकराचार्य का यह प्रवास 21 से 25 जुलाई तक रहेगा। इस दौरान वह बिलासपुर मार्ग स्थित रावांभाठा के श्री सुदर्शन संस्थानम में धर्मानुरागियों के बीच धर्मसभा करेंगे। पांच दिवसीय प्रवास के दौरान शंकराचार्य भगवान के श्रीमुख से धर्म, राष्ट्र, संस्कृति, गोसंरक्षण एवं हिंदू राष्ट्र जैसे विषयों पर प्रेरणादायी धर्मसभा भी करेंगे। साथ ही विभिन्न धार्मिक, आध्यात्मिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रदेशभर से श्रद्धालु शामिल होंगे। इस गौरवमयी आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने के लिए पीठ परिषद, आदित्य वाहिनी एवं आनंद वाहिनी की केंद्रीय व प्रांतीय कार्यकारिणी की जिम्मेदारी तय की गई है।

धर्मसभा को सफल बनाने तैयारियों का दौर शुरू

आयोजन समिति की पदाधिकारी सीमा तिवारी, नवनीत तिवारी एवं आशीष दुबे ने संयुक्त रूप से बताया कि आचार्यश्री का दर्शन करने और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। महाभियान को सफल बनाने में प्रमुख मार्गदर्शक अवधेश नंदन श्रीवास्तव, ठाकुर सत्येंद्र प्रताप सिंह परमार, उत्तम शर्मा, संजय सिंह, शिव गोविंद सिंह एवं मारुति शर्मा, कार्यकारिणी सक्रिय रूप से अपना योगदान दे रही है। पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ के सभी धर्मप्रेमी, श्रद्धालुओं, मातृशक्ति एवं युवा साथियों को धर्मसभा से जोड़ने के लिए प्रयास तेज किया है। आयोजकों ने बताया कि 25 को सुबह धर्मसभा के बाद महाराज पुरी के लिए रवाना होंगे।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
हड्डी एवं जोड़ों का दर्द • नसों का रोग • मानसिक रोग • त्वचा एवं बालों का रोग • स्त्री रोग • मूत्र संबंधी रोग • मधुमेह (डायबिटीज़) • नेत्र रोग • किडनी संबंधी रोग • पेट संबंधी विकार • थायराइड मांसपेशी का रोग • अस्थमा • मोटापा • मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
सेक्टर -7 B कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003 | सिटी सेन्टर- कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666 | भिलाई सेन्टर-नेहरू नगर (पूर्व),एसबीआई बैंक के पास, भिलाई(छ.ग.) 95224 66605

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल
मेटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सर्जिकल हॉस्पिटल
उपलब्ध सुविधाएं
• गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श नार्मल एवं सीजेरियन डिलीवरी
• एवं बच्चेदानी का ऑपरेशन व नसबंदी
• सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT
• बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, हाईड्रोसील, सरकम सीजन की सुविधा
• आयुष्मान कार्ड और CSEB से कैशलेस उपचार,
• TPA की सुविधा
माँ और शिशु का विश्वास
डॉ. सी.पी.सिंह (एमबीबीएस, एमडी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
डॉ. नीलिमा सिंह (एमबीबीएस, डी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
9009553889, 9090204620
एकता नगर, अम्बेडकर चौक के पास, गुढ़ियारी रायपुर
ब्रांच : मातृ स्मृति मंगल बाजार, गायत्री मंदिर के सामने, गुढ़ियारी, रायपुर

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
मूत्र रोग एवं सर्जरी
किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
यौन संबंधी समस्याएं
महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं
फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777
DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

नौकरी का फर्जी नियुक्ति पत्र देकर ठगी, गिरफ्तार

रायपुर। खुद को प्रभावशाली बताकर शासकीय विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने के साथ फर्जी नियुक्ति पत्र देने वाले को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिस व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, वो पुलिस का बर्खास्त सिपाही है। उसके खिलाफ पूर्व में आधा दर्जन से ज्यादा ठगी के अपराध दर्ज हैं। ठगी के आरोप में पेंशनबाड़ा निवासी मोहम्मद इमरान कादरी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसने कई लोगों को महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय में नियुक्त कराने का विश्वास दिलाते हुए फर्जी चयन सूची एवं फर्जी नियुक्ति पत्र देकर ठगी की थी। इमरान के खिलाफ पूर्व से जुआ एवं विभिन्न प्रकार की ठगी से संबंधित आठ प्रकरण सिविल लाइन, तेलीबांधा, सिमगा सहित अन्य थाना क्षेत्रों में दर्ज हैं।

मुक्तांजलि की आड़ में प्रायवेट एंबुलेंस

रायपुर। शासकीय शव वाहन मुक्तांजलि योजना के नाम पर कुछ प्रायवेट एंबुलेंस मरीज ढोने का काम कर रहे हैं। हाल ही में शासकीय डीके हास्पिटल से मरीज को घर पहुंचाने वाली एक प्रायवेट एंबुलेंस का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है।

एंबुलेंस में मुक्तांजलि सेवा डायल 1099 का जिक्र है, मगर यह शव वाहन न होकर प्रायवेट एंबुलेंस है। मुक्तांजलि सेवा शासकीय अस्पताल को इलाज के दौरान मृत्यु होने पर शव को को घर तक पहुंचाने की निशुल्क सेवा प्रदान करती है।

निधन

शारदा राघवन

रायपुर। रायपुर निवासी शारदा राघवन (88) का 11 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 12 जुलाई को दोपहर 12 बजे कोटा मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे अनिल राघवन, विनीता राजीव, अनिता कदम की माता थीं।

विजय कुमार दुबे

रायपुर। सुंदरनगर निवासी विजय कुमार दुबे (नगरगांव वाले) का 9 जुलाई को निधन हो गया। वे सुंदर नगर सोसाइटी के प्रथम कार्यपालन अधिकारी और डॉ. संजय दुबे, जितेश दुबे, आस्था दुबे के पिता थे।

शालिनी चिलामवार

रायपुर। शहर निवासी शालिनी चिलामवार का 11 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 12 जुलाई को दोपहर 3 बजे न्यू राजेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे सचिन चिलामवार की बड़ी मां थीं।

सरकारी अस्पतालों में 'अमृत फार्मेसी' की दवा दुकान, विभागीय चिट्ठी ने मचाया बवाल

हमर लैब का नाम अटल आरोग्य लैब कर संचालन करने वाली निजी कंपनी एचएलएफ लाईफकेयर लिमिटेड को सरकारी अस्पताल में अमृत फार्मेसी की दवा दुकान खोलने की जिम्मेदारी दी गई है। मेडिकल कालेज से लेकर सरकारी अस्पताल के मरीजों को 50 फीसदी छूट के साथ दवा उपलब्ध कराने के बदले उसे निशुल्क जगह उपलब्ध कराने के सिफारिशी पत्र ने बवाल मचा दिया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

चिकित्सा शिक्षा विभाग में यह पत्र पिछले महीने जारी हुआ था। स्थापना के बाद से राज्य के तमाम शासकीय अस्पतालों में संचालित हमर लैब की जिम्मेदारी विभागीय पैथालाजिस्ट एवं अन्य कर्मचारियों की होती थी। इस बार लैब का नाम बदला गया और उसकी आउटसोर्सिंग कर संचालन का एचएलएफ लाइफ केयर लिमिटेड को दे दिया गया। लैब का निजीकरण होने के विरोध के बीच जारी एक विभागीय पत्र ने हड़कंप मचा दिया है। पत्र में तमाम चिकित्सा महाविद्यालय, जिला अस्पताल से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीजों को 30 से 50 फीसदी कम दामों में दवा उपलब्ध कराने के लिए अमृत फार्मेसी को निशुल्क जगह उपलब्ध कराने का जिक्र है। अमृत फार्मेसी को सरकारी अस्पतालों में स्थापित करने की जिम्मेदारी एचएलएफ को दी गई है।

अलग खबर

पैथोलॉजी लैब का ठेका लेने वाली एचएलएफ को दवा दुकान की जिम्मेदारी

50 फीसदी छूट का हवाला देकर अस्पतालों में निशुल्क जगह देने की सिफारिश

लोकल पर्चेस, आयुष्मान खरीदी में बचत कर हवाला

अमृत फार्मेसी की एंट्री के बाद स्थानीय स्तर पर होने वाली खरीदी आयुष्मान स्वास्थ्य योजना की दवाओं की खरीदी पर सरकार के राजस्व की बचत होगी। अमृत फार्मेसी को सरकारी अस्पतालों में जगह देने के मामले से सीजीएमएससी की दवा सप्लाई पर सवाल खड़े होने लगे हैं। अमृत फार्मेसी की सरकारी अस्पतालों में एंट्री के मामले में पूर्व में संचालित प्रधानमंत्री जन औषधि, धनवंतरी के साथ अस्पताल में निशुल्क दवा वितरण पर सवाल उठने लगे हैं। वर्तमान में अमृत फार्मेसी की दवा दुकान एम्स में संचालित होती है और वहां आवश्यकता के अनुसार खरीदी भी उसी संस्थान से की जाती है।

पैथालॉजी लैब आउटसोर्सिंग भ्रष्टाचार का बड़ा मामला

छत्तीसगढ़ के सरकारी पैथॉलॉजी जांच केंद्रों को प्रदेश की बाहर की एक संस्था को सौंप दिया है, यह भ्रष्टाचार का बड़ा मामला है। आपत्तिजनक बात यह है कि इस संस्था को काम सौंपने के लिए नियम-कायदों को ताक पर रख दिया गया है और बिना टेंडर बुलाए नामांकित करके दे दिया गया है। कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता ने आरटीआई से निकाली गई जानकारियों के आधार पर सीधे भाजपा सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और स्वास्थ्य विभाग पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है कि सरकार अपना काम लगातार निजी हाथों को सौंप रही है। स्वास्थ्य विभाग ने स्टेट हेल्थ रिसोर्स सेंटर और जगदलपुर के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को निजी हाथों में सौंप चुकी है। ये दोनों प्रयोग फेल हो चुके हैं लेकिन अब सरकारी पैथॉलॉजी लैब को भी एक तरह से बेचा जा रहा है। पैथॉलॉजी लैब में उपलब्ध सभी संसाधनों का ही उपयोग हिंदुस्तान लाइफ केयर करेगी और इसके बदले संस्था राज्य सरकार को कोई भुगतान नहीं करेगी।

पुलिस कमिश्नर बोले- व्यवस्था सुधारने अभियान जारी

आड़े तिरछे नंबर प्लेट, बगैर नंबर के साढ़े 8 सौ वाहन चालकों पर कार्रवाई

बगैर नंबर प्लेट, आड़े तिरछे नंबर प्लेट लगाकर दोपहिया वाहन के साथ चारपहिया वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ पुलिस ने अभियान शुरू किया है। जिन दोपहिया वाहन चालकों की गाड़ियों में आड़े तिरछे नंबर प्लेट लगे थे, उन दोपहिया वाहन मालिकों के खिलाफ हालांकि कार्रवाई नहीं की गई, लेकिन उन दोपहिया गाड़ी के मालिकों को दूसरा सुधरा हुआ नंबर प्लेट लाकर लगाने पर छोड़ा गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के अलग-अलग इलाकों में 35 स्थानों पर पुलिस का चला जांच अभियान

जिन गाड़ियों में नंबर प्लेट नहीं लगा था, उन गाड़ियों की जप्ती की कार्रवाई की गई। पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्र में 35 स्थानों पर गाड़ियों की जांच की।

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के अनुसार तय मानक के आधार पर नंबर प्लेट लगी गाड़ी चलाने का नियम है। नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसी कड़ी में जो लोग आड़े तिरछे नंबर प्लेट लगाकर गाड़ी चला रहे हैं, उन्हें समझाइश देकर नंबर प्लेट बदलवाया जा रहा है। आने वाले समय में ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई से बचने नंबर प्लेट में टेप चिपकाया

टैफिक उल्लंघन की कार्रवाई से बचने कई दोपहिया वाहन चालक ने अपने एचएसआरपी नंबर प्लेट में लिखे से छेड़छाड़ करते हुए टेप चिपका दिए थे। ऐसे गाड़ी मालिकों की दोपहिया से पुलिस ने टेप हटवाया। साथ ही उन्हें इस तरह नंबर प्लेट से छेड़खानी नहीं करने चेतावनी दी। नंबर प्लेट में टेप लगाने से कैमरा से नंबर रीड नहीं हो पाता और वाहन चालक ई-चालान से बच जाता है।

ट्रैफिक की क्यूआरटी टीम को 10 नई बाइक

राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था स्मूथ रहे, इसके लिए पुलिस कमिश्नर ने शनिवार को ट्रैफिक पुलिस की क्यूआरटी टीम को 10 नई बाइक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रवाना करने से पूर्व पुलिस कमिश्नर द्वारा शहर के जाम प्रभावित प्रमुख स्थानों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से फीडबैक लिया गया तथा सभी क्यूआरटी टीमों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि यातायात बाधित होने की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर यातायात को सामान्य करें, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। क्यूआरटी टीमों को आधुनिक संसाधनों एवं आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित किया गया है, जिससे वे ट्रैफिक जाम, दुर्घटना अथवा अन्य यातायात संबंधी बाधाओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान कर सकें।

साढ़े आठ सौ गाड़ी में नंबर प्लेट बदलवाए गए

पहले दिन की कार्रवाई में साढ़े आठ सौ दोपहिया गाड़ियां जिनमें नंबर प्लेट आड़े तिरछे लगाए गए थे, उन गाड़ियों की नंबर प्लेट बदलवाई गई। इसके साथ ही ऐसी दोपहिया वाहन जिनमें नंबर प्लेट ही नहीं लगा था, उन गाड़ियों की जब्ती की कार्रवाई की गई। साथ ही गाड़ी मालिकों को आरसी बुक साथ लाने कहा गया है। बगैर नंबर प्लेट की गाड़ियों को जब्त करने के बाद पुलिस कोर्ट में पेश करेगी। कोर्ट के आर्डर के बाद ही बगैर नंबर प्लेट की गाड़ियों को छोड़ा जाएगा।

जोन 3 के नगर निवेश विभाग और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने हटाई बाधा

लोधीपारा चौक के पास नाली पर बनाए पाटों पर चला बुलडोजर, 1 डंपर कचरा बाहर निकाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम जोन 3 नगर निवेश विभाग की टीम ने शनिवार को पंडरी के लोधीपारा चौक का जायजा लिया, इस दौरान नालियों पर कब्जा कर बनाए गए 5 अवैध पाटों को तोड़कर पोकलेन मशीन से सफाई करवाई। इस दौरान 1 डंपर कचरा नालियों से बाहर निकाला गया। लोधीपारा चौक की बड़ी नाली पर 6 फल ठेले वालों ने अवैध कब्जा कर पक्के पाटे बना लिए थे, इससे नाली की सफाई नहीं हो पा रही थी, सफाई में आ रही बाधा को दूर करने अवैध पाटे तोड़े गए। बड़ी नाली के कब्जा मुक्त होने और इसकी सफाई होने से अवंति बाई चौक और आसपास के इलाकों में बारिश में जलभराव की समस्या का निदान होगा। जोन 3 की टीम ने मोवा ओवरब्रिज के नीचे होंडा शो रूम और अस्पताल प्रबंधन को नाली पर बनाए गए पाटों को स्वतः हटा लेने की कड़ी हिदायत दी।

महापौर मीनल चौबे के निर्देश और जोन कमिश्नर प्रीति सिंह के मार्गदर्शन में कार्यपालन अभियंता ईश्वरलाल टावरे, सहायक अभियंता नरेश कुमार साहू की टीम ने बड़ी नाली को कब्जा मुक्त कराया। जोन 3 की टीम ने मोवा ओवरब्रिज के नीचे होंडा शो रूम और अस्पताल प्रबंधन को नाली पर बनाए गए पाटों को स्वतः हटा लेने की कड़ी हिदायत दी। महापौर मीनल चौबे के निर्देश और जोन कमिश्नर प्रीति सिंह के मार्गदर्शन में कार्यपालन अभियंता ईश्वरलाल टावरे, सहायक अभियंता नरेश कुमार साहू की टीम ने बड़ी नाली को कब्जा मुक्त कराया।

इसी तरह नगर निगम जोन 1 की टीम ने 1 वार्ड नंबर 3 के सुखरामनगर में दो स्थानों पर करीबन 3 एकड़ जमीन में की जा रही अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई की। नगर निगम की टीम ने स्थल पर निर्मित अवैध मुरूम रोड को जेसीबी से काटकर तत्काल रोक लगाई। निगम आयुक्त के निर्देश पर जोन 1 नगर निवेश विभाग ने रायपुर तहसीलदार से उक्त भूमि के वास्तविक भूमि स्वामी की जानकारी मांगी है। इसी तरह वार्ड 16 के ब्रम्हदेई पारा में जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा के मार्गदर्शन में जलभराव रोकने अवैध रूप से बनाई गई झोपड़ी को तोड़ा गया।

ग्रीम आर्मी के पदाधिकारियों ने चलाया अभियान

रायपुर। ग्रीन आर्मी रायपुर छत्तीसगढ़ के पुरानी बस्ती जोन द्वारा मलसाय तालाब, प्रोफेसर कॉलोनी रोड, छत्रपति शिवाजी स्कूल के पास, पुरानी बस्ती में शनिवार को सुबह स्वच्छता एवं सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत मलसाय तालाब एवं आसपास के बगीचे की व्यापक सफाई की गई। इस जनहित एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान में रायपुर के विभिन्न जोनों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

आप सभी के अमूल्य योगदान के लिए ग्रीन आर्मी परिवार आभार जताया। यह कार्यक्रम के संस्था के प्रदेश अध्यक्ष अमिताभ दुबे के नेतृत्व में किया गया। इस अभियान में वार्ड पार्षद कृष्णा सोनकर सहित उनकी टीम, प्रदेश मीडिया प्रभारी शशिकांत यदु, श्याम बघेल, चेतन पटेल, नरेश पटेल, किरण तिवारी, दुर्गा जैन आदि शामिल थे।

तहसील दफ्तर में डंप मतदाता से संबंधित लाखों फार्म धूल खाकर हो रहे खराब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर तहसील दफ्तर में मतदाता से संबंधित लाखों फार्म धूल खा रहे हैं। तहसील दफ्तर के मुख्य गेट के पास मतदाता फार्म को डंप कर दिया गया है, जिसके कारण इन फार्म पर धूल की मोटी परत जम चुकी है, जिससे वे खराब हो रहे हैं।

नए मतदाता का नाम जोड़ने, संशोधन एवं हटाने संबंधित इन फार्म के कई बंडल तहसील दफ्तर के मुख्य गेट के अंदर बरामदे में डंप किए गए हैं। इन फार्म की छपाई में बड़ी राशि खर्च की गई है, लेकिन जिस तरह से इन फार्म के बंडलों को लावारिस की तरह गेट के बरामदे में रखा गया है, उसके कारण ये अब खराब हो रहे है। इन मतदाता संबंधित फार्म को यहां क्यों डंप किया गया है, इन्हें सुरक्षित क्यों नहीं रखा गया है, इन सवालों के जवाब निर्वाचन शाखा के कर्मचारी भी नहीं दे पा रहे है। हालांकि सूत्रों से पता चला कि पहले इन मतदाता फार्म को जहां रखा गया था, वहां से हटा दिए हैं, लेकिन अब इन्हें कहां रखना है, यह तय नहीं हुआ है।

आयकर विभाग में वी केयर हॉस्पिटल का निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, 250 लोगों ने उठाया लाभ

रायपुर। वी केयर सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के तत्वावधान में आयकर विभाग, सिविल लाइन रायपुर परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आयकर विभाग के प्रधान मुख्य आयुक्त संजीव एवं प्रधान आयुक्त मुनिश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया। हॉस्पिटल के एडमिन हेड अमित दुबे ने बताया कि शिविर का आयोजन वी केयर हॉस्पिटल एवं आयकर विभाग के संयुक्त प्रयास से किया गया। इस दौरान हॉस्पिटल के डायरेक्टर एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक पांडे ने स्वास्थ्य के प्रति

जागरूक रहने का संदेश देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के सुझाव दिए। वहीं जनरल मेडिसिन एवं डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ. अनीस सिद्दीकी ने मरीजों का परीक्षण कर चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर एवं बीएमआई जांच की सुविधा भी उपलब्ध रही। लगभग 200 से 250 लोगों ने शिविर का लाभ उठाया।

कोलंबिया ग्लोबल स्कूल में अलंकरण समारोह नव-निर्वाचित छात्र परिषद ने ली शपथ

रायपुर। कोलंबिया ग्लोबल स्कूल में सातवें अलंकरण समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोलंबिया प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. रमन कुमार झा थे। समारोह में विद्यालय के डायरेक्टर रविंदर सिंह हूरा, प्राचार्य आईविन स्मिथ, शिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्राचार्य आईविन स्मिथ ने छात्र परिषद को बधाई देते हुए कहा कि लोकतांत्रिक चुनाव विद्यार्थियों में नेतृत्व, नागरिकता और उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं। कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने मतदान कर छात्र परिषद का चुनाव किया, जिसके बाद नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बैज एवं सैश पहनाकर शपथ दिलाई गई। परिषद में हेड बॉय यशराज देव और हेड गर्ल एम. सौम्या सहित अन्य पदाधिकारियों ने विद्यालय के अनुशासन और विकास के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि डॉ. झा ने निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को ईमानदारी और निष्ठा के साथ दायित्व निभाने का संदेश दिया।

पेज 09 के शेष

16 महीने बाद ....

जीतकर पार्षद पद की जिम्मेदारी संभाले हैं। ऐसे में प्रत्येक वार्ड की जानकारी के लिए वार्ड पार्षद का नाम, वार्ड क्रमांक के साथ बोर्ड में सार्वजनिक स्थलों पर लगाया जाता है, लेकिन हैरानी की बात ये है कि शहर के कई स्थानों पर वार्डों में लगी नेम प्लेट पर पुराने पार्षदों के नाम ही दर्ज हैं, इससे शहर की जनता भ्रमित हो रही है कि उनके वार्ड के पार्षद कौन हैं, सही जनप्रतिनिधि की जानकारी इससे नहीं मिल रही है। कई जगहों पर बोर्ड जर्जर नजर आए, कहीं कहीं पर पुराने पार्षदों की फोटो वाली तख्ती निगम प्रशासन को मुंह चिढ़ाते दिखी। इन सबके बीच शहर के आउटर में नगर निगम जोन 9 में स्थित एक वार्ड ऐसा भी है जहां दो दशक बाद पहली बार वार्ड पार्षद के नाम की पट्टिका वहां के लोगों को देखने को मिलेगी।

केस-1: लगाई गई संकेतक पट्टिका में पुराने वार्ड पार्षद व पूर्व जोन अध्यक्ष की फोटो सहित नाम अंकित है, जबकि वर्तमान में जोन 6 अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता हैं और शहीद विक्रम वार्ड की पार्षद स्वप्निल मिश्रा जनता के बीच से चुनकर आई हैं।

केस-2: अभी भी पूर्व पार्षद उमा-चंद्रहास निर्मलकर को पार्षद के रूप में दर्शाया गया है। यही नहीं, उनकी फोटो भी इस बोर्ड में देखी जा सकती है, जबकि नगरीय निकाय चुनाव के बाद कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड से सुषमा-तिलक साहू नए वार्ड पार्षद बनकर आई हैं। हैरानी की बात नगर निगम जोन 10 ने न तो वर्तमान पार्षद का नाम दर्शाया है, न ही उनकी तस्वीर वार्ड में लगाए गए मार्ग संकेतक बोर्ड में लग पाई है।

केस-3: भी नगर निगम ने पुराने वार्ड पार्षद का नाम हटाकर नए वार्ड पार्षद का नाम दर्ज करने का प्रयास नहीं किया है, जबकि नगरीय चुनाव के बाद इस प्रक्रिया को पूरा करना था।

केस-4: में यह वार्ड क्रमांक 41 है, जिसके वर्तमान पार्षद सरिता-आकाश दुबे हैं। नगर निगम ने अभी तक मार्ग संकेतक बोर्ड में वार्ड क्रमांक नहीं सुधारा है, न ही वर्तमान पार्षद का नाम इसमें अंकित किया है।

केस-5: के रिकार्ड में दर्ज है। इस वार्ड से रेणु-जयंत साहू पार्षद चुनकर आई हैं, पर वार्ड में आज तक एक भी मार्ग संकेतक पट्टिका नगर निगम ने नहीं लगाई है। ऐसे में वार्ड पार्षद रेणु-जयंत साहू ने नगर निगम से सामान्य मद से राशि स्वीकृत कराकर वार्ड में मार्ग संकेतक बोर्ड लगाने पहल की है। आने वाले दिनों में जोरा, लभांडी, फुंडहर में पहली बार वार्ड पार्षद के नाम से साथ फोटो भी बोर्ड में जनता को नजर आएगी। इसके लिए टेंडर हो गया है, जल्द मार्ग संकेतक लगाने का काम शुरू होगा।

समय सारिणी नहीं ....

बाद प्राचार्य से शिक्षकों की उपस्थिति पंजी चेक की। इस दौरान तीन शिक्षक छुट्टी पर रहे, जिनका मैनुअल आवेदन उपस्थिति पंजी में दबा रहा। डीईओ ने इसे देखकर प्राचार्य को फटकार लगाई और उन्हें शासन की मंशानुसार ऑनलाइन छुट्टी के लिए आवेदन क्यों नहीं किया, उसका जवाब मांगा। इस दौरान उन्होंने प्राचार्य को निर्देशित किया कि अनुपस्थित शिक्षकों की रिपोर्ट कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी में प्रस्तुत करें।

बिजली कर्मचारी महासंघ ....

लेकर छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी महासंघ ने डगनिया स्थित मुख्यालय भवन के सामने आमसभा एवं धरना प्रदर्शन कर विद्युत कंपनी प्रबंधन का ध्यान आकर्षित कराया।

जांच करने संबंधित ....

निराकरण किया जाता है। उन्होंने बताया कि सालभर में लगभग 20 शिकायतें आई हैं, इन सभी शिकायतों को जांच के लिए भेजा गया है, जिनमें कुछ में जांच प्रतिवेदन भी आ चुके हैं।

अल्पसंख्यक आयोग का ....

है। इसका कारण आयोग में सदस्यों की नियुक्ति नहीं किया जाना बताया गया है। आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि जब से उन्होंने आयोग के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली है, तब से सदस्यों की नियुक्ति नहीं हुई है। इसके कारण वे कोर्ट में सुनवाई भी नहीं कर पा रहे हैं।

खबर संक्षेप

रानी दुर्गावती स्कूल में प्रवेश उत्सव मनाया गया

मंदिर हसौद। राजधानी रायपुर के पास स्थित नगर पालिका परिषद मंदिर हसौद में के रानी दुर्गावती शासकीय पूर्व माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में साला प्रवेश उत्सव का आयोजन रखा गया था। जहा नव प्रवेशित छात्रों का स्वागत किया गया। और मंदिर हसौद संकुल की प्रतिभावान मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जिसमें मानसी टंडन 10 वी की प्रवीण सूची में 96.4% के साथ टॉप 10 में अपना नाम दर्ज किया वही साथ में 10 ऐसे छात्राएं है ,जिन्होंने 90% से अधिक अंक प्राप्त और जवाहर उत्कर्ष में जिले में प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले यश कुर्रे प्रिंस ओगरे तथा कोहिनूर हीरो को तरसने वाले देव तुल्य शिक्षक लक्ष्मी नारायण बारले, प्रधान पाठक सुशील भतपहरी को ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार शर्मा , प्रहलाद शर्मा, गोपाल चतुर्वेदी नगर पालिका अध्यक्ष मंदिर हसौद ओम प्रकाश यादव उपाध्यक्ष, पार्षद राकेश मिश्रा, पिंटू निर्मलाकर, अवधेश मिश्रा, भूषण बघेल शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंदिर हसौद के प्राचार्य शिशुपाल चंद्रा सर एमडीसी के अध्यक्ष श्री बल्ला यादव लेक्चर मधुसूदन सिकधर सर एवं समस्त स्टाफ के शिक्षक गण, संकुल समन्वयक श्री दीनदयाल साहू के उपस्थिति में सम्मानित किया गया। जहां उद्बोधन के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष गोपाल चतुर्वेदी ने शाला परिवार की समस्या को ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के सामने रखा और पालिका समस्या के समाधान के लिए शिक्षा के क्षेत्र में हर प्रकार के सहयोग करने की बात कही।

चतुर्भुजी मंदिर की बावड़ी में डूबने से दो मासूम बच्चे व बच्ची की मौत

बच्चे बावड़ी में उतरे और पैर फिसलने से गहराई में गए और डूबे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

ऐतिहासिक नगरी कुंवरगढ़ के प्राचीन और आस्था के केंद्र चतुर्भुजी मंदिर परिसर में शनिवार को एक ऐसा हृदय विदारक हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। मंदिर परिसर में बनी सदियों पुरानी गहरी बावड़ी में डूबने से दो मासूम बच्चों की असमय मौत हो गई।

■ गांव में पसरा सन्नाटा, परिजनों का रो-रोकर बुराहाल

मृतकों में सात साल की एक बच्ची और महज चार साल का एक मासूम बालक शामिल है। इस दर्दनाक घटना के बाद से पूरे कुंवरगढ़ गांव में मातम छाया हुआ है और पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है।

वैधानिक कार्रवाई की जाएगी : हादसे की खबर मिलते ही पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा। थाना प्रभारी राजेंद्र दीवान ने बताया कि पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना कर मर्ग पंचनामा तैयार कर लिया है। दोनों मासूम बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने यह भी कहा कि यह बेहद दुखद और संवेदनशील मामला है। भविष्य में इस परिसर में दोबारा ऐसी कोई अनहोनी न हो, इसके लिए मंदिर समिति और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे और बावड़ी के आसपास सुरक्षा घेरा बनाने की पहल की जाएगी।

सात वर्षीय साक्षी साहू और चार वर्षीय श्रवण डूबे

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुंवरगढ़ स्थित इस प्राचीन चतुर्भुजी मंदिर के प्रति लोगों की गहरी आस्था है। इसका परिसर काफी बड़ा है, जहां गांव के बच्चे अक्सर खेलने के लिए इकट्ठा होते हैं। रोज की तरह शनिवार को भी बच्चे यहां खेल रहे थे। इसी दौरान खेलते-खेलते सात वर्षीय साक्षी साहू और चार वर्षीय श्रवण धीवर अचानक बावड़ी की तरफ चले गए। आशंका जताई जा रही है कि पैर फिसलने या पानी के आकर्षण में दोनों मासूम बावड़ी के भीतर उतर गए। चूंकि इस ऐतिहासिक बावड़ी में पानी लगभग पच्चीस से तीस फीट गहरा है, इसलिए दोनों बच्चे पल भर में ही गहरे पानी में समा गए। काफी देर तक जब दोनों बच्चे कहीं दिखाई नहीं दिए, तो परिजनों और ग्रामीणों ने उनकी खोजबीन शुरू की। जब लोगों की नजर बावड़ी के पानी पर पड़ी, तब जाकर इस खौफनाक हादसे का पता चला। आनन-फानन में बच्चों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। इस घटना को लेकर गांव के बुजुर्गों में गहरा दुख और आश्चर्य है। ग्रामीणों का कहना है कि यह बावड़ी राजा कुंवरसिंह के जमाने की है और सदियों पुरानी है, लेकिन आज तक के इतिहास में यहां कभी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई थी। पहली बार हुए इस हादसे ने प्राचीन धरोहरों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। ग्रामीणों ने रोष और दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अगर इस गहरी बावड़ी के चारों तरफ पहले ही लोहे की जाली या मजबूत फेंसिंग लगा दी गई होती, तो आज दो मासूमों की जान बच सकती थी। अब ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन तुरंत इस पर संज्ञान ले और बावड़ी को चारों तरफ से सुरक्षित घेरे में ले।

मांघी तालाब में डूबने से युवक की मौत 9 घंटे के रेस्क्यू में मिली लाश

सिलयारी। रायपुर जिले के धरसीवा क्षेत्र के सिलतरा थाना अंतर्गत ग्राम सांकरा स्थित मांघी तालाब में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में एक युवक की डूबने से मौत हो गई। करीब नौ घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद पुलिस और गोताखोरों ने युवक का शव तालाब से बाहर निकाला। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है, वहीं तालाब की सुरक्षा व्यवस्था और कथित अवैध खुदाई को लेकर पुराने सवाल एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। मृतक की पहचान ग्राम सांकरा निवासी केशव टांडी के रूप में हुई है। शनिवार सुबह लगभग 9 बजे युवक के तालाब में डूबने की सूचना सिलतरा थाना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से तलाश शुरू की गई। बाद में रेस्क्यू टीम और गोताखोरों को बुलाया गया। शव मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक तौर पर मामला डूबने से मौत का माना जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट होगी। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्षों तक तालाब से हजारों ट्रकों में मलबा और मिट्टी निकाली गई, जिससे करोड़ों रुपये का कारोबार हुआ। उनका कहना है कि अनियंत्रित खुदाई के कारण तालाब कई स्थानों पर अत्यधिक गहरा हो गया, जिससे यह आम लोगों के लिए खतरनाक बन गया है। युवक की मौत के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग।

■ सुरक्षा और कथित अवैध खुदाई पर उठे सवाल

अंततः मंदिर हसौद तहसील भवन का सांसद बृजमोहन ने किया लाकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चंदखुरी

मंदिर हसौद नवीन तहसील कार्यालय भवन का लोकार्पण आखिरकार शनिवार को भारी गहमागहमी के बीच संपन्न हो गया। वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल के करकमलों से इस शासकीय भवन का शुभारंभ तो कर दिया गया, लेकिन इस एक आयोजन ने जिले के प्रशासनिक तालमेल और परदे के पीछे चल रही सियासी को उजागर कर दिया है।

■ तीन बार अलग-अलग कार्ड छपे, दो मंत्रियों के नाम हटाकर सांसद से कराया उद्घाटन

तीन अलग-अलग आमंत्रण पत्र छपवाने पड़े

क्षेत्र में इस समय नवलोकार्पित भवन से ज्यादा, इसके पीछे चली 'कार्ड पॉलिटिक्स' और ऐन वक्त पर बड़े नेताओं की अनुपस्थिति को लेकर चर्चाओं का बाजार बेहद गर्म है। प्रशासनिक इतिहास में संभवतः यह पहला मौका है जब एक अदद तहसील कार्यालय के उद्घाटन के लिए एक के बाद एक तीन अलग-अलग आमंत्रण पत्र छपवाने पड़े। सूत्र बताते हैं कि अनुविभागीय अधिकारी आरंग और कलेक्टर रायपुर के नाम से जो कार्ड पहले जारी किए गए, उनमें वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल के नाम का कहीं कोई उल्लेख तक नहीं था।

इस कार्ड में बाकायदा कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा को मुख्य अतिथि और गुरु खुशवंत साहेब को कार्यक्रम की अध्यक्षता सौंपी गई थी। लेकिन अचानक प्रशासनिक गलियारों में खलबली मची और जिला प्रशासन रायपुर के नाम से तीसरा नया कार्ड बाजार में आया। इस तीसरे कार्ड में सारे नियमों को ताक पर रखते हुए मुख्य अतिथि और अध्यक्षता के संवैधानिक कॉलम ही विलोपित कर दिए गए। उसकी जगह सिर्फ 'शुभारंभ कार्यक्रम' लिखकर बृजमोहन अग्रवाल का नाम शामिल किया गया और उसके नीचे अन्य जनप्रतिनिधियों के नाम डाल दिए गए। इस पूरे प्रशासनिक नाटक के बीच सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब स्वयं कलेक्टर और एसडीएम के कार्ड में सूबे के दो-दो कैबिनेट मंत्रियों— टंकराम वर्मा और गुरु खुशवंत साहेब के नाम शामिल थे। ऐन वक्त पर दोनों मंत्रियों द्वारा कार्यक्रम से किनारा कर लेना सीधे तौर पर अंदरूनी अंतर्विरोध और गुटबाजी का नतीजा है।

स्पेशलिस्ट अस्पताल पर स्वास्थ्य विभाग का छापा, सरकारी भूमि के एंगलों की होगी जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा-नेवरा

शहर में बिना मानकों के अस्पताल संचालन और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवालों के बीच बुधवारी रोड, वार्ड क्रमांक-3 स्थित प्रेम शंकर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापामार जांच की। यह कार्रवाई रायपुर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) के निर्देश पर बीएमओ डॉ. आशीष सिंह के नेतृत्व में की गई। जानकारी के अनुसार अस्पताल के संचालन में अनियमितताओं की लगातार शिकायतें स्वास्थ्य विभाग को मिल रही थीं। इसी आधार पर जांच टीम ने अस्पताल पहुंचकर दस्तावेजों, व्यवस्थाओं और स्वास्थ्य संबंधी मानकों की जांच की। सूत्रों का दावा है कि छापेमारी की सूचना पहले ही अस्पताल प्रबंधन तक पहुंच गई थी, जिसके चलते जांच से पहले अस्पताल परिसर में साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का प्रयास किया गया। शिकायतों में यह भी आरोप लगाया गया है कि अस्पताल में चिकित्सक तो योग्य और डिग्रीधारी हैं, लेकिन मरीजों की देखभाल और अन्य चिकित्सकीय कार्यों में लगे स्टाफ की योग्यता एवं प्रशिक्षण को लेकर गंभीर सवाल हैं। आरोप है कि अस्पताल में आवश्यक मानकों का पूरी तरह पालन नहीं किया जा रहा है। मामले का एक और महत्वपूर्ण पहलू अस्पताल की भूमि से जुड़ा है। शिकायत के अनुसार अस्पताल जिस भवन में संचालित हो रहा है, वह किराए का मकान है और संबंधित भूमि नजूल की बताई जा रही है। यदि जांच में सरकारी भूमि पर अनियमित कब्जे या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो राजस्व विभाग, एसडीएम और नगर पालिका स्तर पर भी कार्रवाई की जा सकती है। बताया जा रहा है कि इससे पहले भी अस्पताल के खिलाफ शिकायतें मिलने पर जांच की जा चुकी है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद स्वास्थ्य विभाग ने एक बार फिर विस्तृत जांच की है। बीएमओ डॉ. आशीष सिंह ने बताया कि, /"प्रेम शंकर स्पेशलिस्ट अस्पताल के संबंध में लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इसी क्रम में जांच टीम द्वारा निरीक्षण किया गया है। जांच में जो भी तथ्य सामने आए हैं, उनकी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है। आगे की कार्रवाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर की जाएगी। अब सभी की नजर इस बात पर है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ क्या कार्रवाई करता है। यदि शिकायतें सही पाई जाती हैं, तो अस्पताल संचालन, स्टाफ की पात्रता और भूमि संबंधी मामलों में भी बड़ी कार्रवाई संभव है।

■ रायपुर सीएमओ के निर्देश पर बीएमओ के नेतृत्व में जांच टीम पहुंची, रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी गई

पीएम आवास सूची से नाम गायब होने पर किया हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दानेवरा

तिल्दा विकासखंड के ग्राम पंचायत निनवा में प्रधानमंत्री आवास योजना की जारी सूची को लेकर विवाद सामने आया है। सूची में अपना नाम नहीं होने से नाराज एक ग्रामीण ने पंचायत भवन पहुंचकर सरपंच, सचिव और महिला पंचों के साथ कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए जमकर हंगामा किया। मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई गई, जिसके बाद पुलिस ने प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए आरोपी लछन साहू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत निनवा के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के 183 हितग्राहियों की सूची जारी की गई थी। गांव के लच्छन साहू (पिता रामाधार साहू) ने भी अन्य ग्रामीणों की तरह योजना के लिए आवेदन किया था और सर्वे टीम ने उनके घर पहुंचकर जानकारी भी ली थी। लेकिन अंतिम सूची में उनका नाम शामिल नहीं था। इसकी जानकारी मिलते ही वह पंचायत भवन पहुंच गए, जहां सरपंच, सचिव और महिला पंच मौजूद थे। आरोप है कि उन्होंने जनप्रतिनिधियों के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए गाली-गलौज की और काफी देर तक हंगामा किया।घटना के बाद पंचायत प्रतिनिधियों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

■ ग्रामीण ने पंचायत भवन में सरपंच-सचिव से अभद्रता

सूची में दोबारा जुड़े पुराने हितग्राहियों पर उठे सवाल!

इस घटना के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जारी सूची में पांच ऐसे नाम शामिल थे, जिनमे से कुछ लोगो को पहले ही प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल चुका है। वहीं कुछ पति और पत्नी दोनों के नाम भी सूची में दर्ज थे। बाद में पंचायत की बैठक में ऐसे पांच नामों को निरस्त कर दिया गया। ग्रामीणों का दावा है कि यदि पहले से लाभ ले चुके हितग्राहियों के नाम सूची में शामिल नहीं किए जाते, तो संभव है कि लछन साहू जैसे पात्र आवेदकों का नाम सूची में आ जाता।

सरपंच बोले - सर्वे पंचायत ने नहीं

सरपंच गोबिंद सारंग का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना का सर्वे ग्राम पंचायत ने नहीं कराया था। शासन के निर्देश पर इसके लिए दूसरे ब्लॉक के सचिवों और कर्मचारियों की टीम बनाई गई थी, ताकि पंचायत स्तर पर किसी प्रकार की पक्षपात या मनमानी की आशंका न रहे। सर्वे के आधार पर ही सूची तैयार कर शासन स्तर से भेजी गई है।सरपंच ने कहा की यदि हमारे अधकार में नाम जोड़ना रहता तो पंचायत सदस्यों की राय लेकर हम उसका नाम जोड़ देते

कई पंचायतों में ऐसी शिकायतें

ग्रामीणों का आरोप है कि तिल्दा विकासखंड की कई ग्राम पंचायतों में ऐसे लोगों के नाम दोबारा सूची में आ गए हैं, जिन्हें पहले ही प्रधानमंत्री आवास का लाभ मिल चुका है। हालांकि ऐसे नाम बाद में निरस्त किए जा रहे हैं, लेकिन उनकी जगह वास्तविक पात्र हितग्राहियों के नाम नहीं जोड़े जा रहे। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत के सरपंच और सचिव को सूची में नए नाम जोड़ने का अधिकार नहीं है, जिससे पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित रह जा रहे हैं। इस पूरे मामले ने प्रधानमंत्री आवास योजना की चयन प्रक्रिया और सूची की पारदर्शिता पर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब ग्रामीण प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि पात्र हितग्राहियों की दोबारा जांच कर उन्हें योजना का लाभ दिलाया जाए।

सरोरा के लाकार्पण शिलालेख से नाम हटाने पर नाराज हुईं जिपं सदस्य शैल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा-नेवरा

भारतीय जनता पार्टी भले ही 2028 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन में एकजुटता और समन्वय का संदेश देने में जुटी हो, लेकिन तिल्दा-नेवरा विधानसभा के ग्राम सरोरा में आयोजित सरकारी भूमि पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम ने इन दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कार्यक्रम के बाद शिलालेख पर नामों को लेकर ऐसा विवाद खड़ा हुआ कि क्षेत्र में भाजपा की कथित गुटबाजी खुलकर चर्चा का विषय बन गई।

क्षेत्रीय विधायक एवं राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने ग्राम सरोरा में लगभग 1 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से बनने वाले स्टेडियम, 10 लाख रुपये की लागत से बनने वाले स्कूल आहाता का भूमि पूजन तथा आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधि और भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

विवाद तब शुरू हुआ जब क्षेत्र की निर्वाचित जिला पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत में महिला एवं बाल विकास विभाग की सभापति शैल महेंद्र साहू कार्यक्रम में बिना बुलाए पहुंचीं उन्होंने बताया कि उन्हें कार्यक्रम की आधिकारिक सूचना नहीं दी गई थी। जब उन्होंने शिलालेख को देखा तो उसमें अपना नाम नदारद मिला, जबकि जिला पंचायत अध्यक्ष, सरपंच, उपसरपंच, जनपद सदस्य, तिल्दा नगर पालिका अध्यक्ष सहित कई अन्य जनप्रतिनिधियों और छुटभैया तक लोगो के नाम दर्ज थे। इस पर शैल साहू के समर्थकों ने खुलकर नाराजगी जताई और आरोप लगाया।

खुद शैली महेंद्र साहू ने कहा कि वह महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला पंचायत सभापति हैं और आंगनबाड़ी भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में भी उनका नाम नहीं होना समझ से परे है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पूरे मामले को जिला पंचायत की बैठक में उठाया जाएगा तथा संबंधित अधिकारियों की शिकायत विभागीय मंत्री से भी की जाएगी। इधर कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को हाथों हाथ लिया। कांग्रेस के वरिष्ठ तेज तरार नेता शैलेश त्रिवेदी ने तंज कसते हुए कहा कि जो पार्टी अपने ही जनप्रतिनिधियों को सम्मान नहीं दे पा रही, वह संगठन में एकजुटता और सुशासन का दावा कैसे कर सकती है।

सियासी गलियारों में अब सबसे बड़ा सवाल यही गूंज रहा है—क्या यह महज प्रशासनिक चूक थी या फिर भाजपा की अंदरूनी गुटबाजी की एक और झलक? यदि यह केवल भूल थी तो जिम्मेदार कौन है, और यदि जानबूझकर ऐसा किया गया तो क्या भाजपा अपने ही निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सम्मान की रक्षा कर पाएगी?

मांढर के ज्ञानदीप स्कूल में बच्चों ने ली जिम्मेदारी की शपथ

पद से सदैव बड़ा कर्तव्य होता है : सुनीता राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

कहते हैं कि कल के बड़े नेता और समझदार नागरिक आज के स्कूलों से ही तैयार होते हैं। ऐसा ही एक सुंदर नजारा सीसीआई कालोनी मांढर में देखने को मिला। यहां के ज्ञानदीप विद्या मंदिर स्कूल में छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को बहुत ही सादगी और सम्मान के साथ मनाया गया, जहां बच्चों को स्कूल और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों का अहसास कराया गया। इस खास मौके पर बच्चों का हौसला बढ़ाने के लिए स्कूल मैनेजमेंट के सीनियर सदस्य श्री बीटी कुमार और श्रीमती बी. माधवी खास तौर पर मौजूद रहे।

उनके साथ ही स्कूल की प्राचार्या (प्रिंसिपल) सुनीता राव, सभी टीचर्स और भारी संख्या में छात्र-छात्राएं वहाँ इकट्ठा हुए थे। कार्यक्रम की शुरुआत बहुत ही शांत और अनुशासित माहौल में हुई। समारोह का सबसे मुख्य हिस्सा तब आया जब स्कूल के चुने हुए नए लीडर्स मंच पर आए।

शाला नायक संजीव वर्मा और शाला नायिका भूमिका नायक ने बड़े ही गर्व के साथ अपने कदम आगे बढ़ाए। उनके साथ उप शाला नायक आर्यन नायक और उप शाला नायिका प्रगति वर्मा भी मौजूद थीं। स्कूल की प्राचार्या श्रीमती सुनीता राव ने इन सभी नए पदाधिकारियों को उनके पद की शपथ दिलाई। जब बच्चों ने हाथ आगे बढ़ाकर पूरी ईमानदारी और लगन से अपना काम करने की कसम खाई, तो पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इन मुख्य लीडर्स के साथ ही छात्र परिषद के बाकी सदस्यों ने भी अपने कर्तव्यों को निभाने का वादा किया।

जिम्मेदारियों को भी पूरी निष्ठा से निभाएं

शपथ दिलाने के बाद प्राचार्या सुनीता राव ने बच्चों को बहुत ही आसान और दिल छू लेने वाली बातें समझाईं। उन्होंने कहा कि लीडर बनने का मतलब दूसरों पर रौब जमाना या हुक्म चलाना नहीं होता, बल्कि सबको साथ लेकर चलना और सबकी मदद करना होता है। एक सच्चा छात्र नेता वही है जो खुद अनुशासन में रहे, ईमानदार हो और जिसके मन में सेवा की भावना हो। उन्होंने बच्चों से कहा कि आप सबको मिलकर अपने स्कूल का नाम रोशन करना है और अपनी पढ़ाई के साथ-साथ इन जिम्मेदारियों को भी पूरी निष्ठा से निभाना है। यह पूरा कार्यक्रम बच्चों के लिए बहुत प्रेरणा देने वाला रहा। वहां मौजूद दूसरे छात्रों ने भी अपने इन लीडर्स का पूरा साथ देने का भरोसा दिया। कार्यक्रम के आखिर में सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाया। विदाई के वक्त हर बच्चे के चेहरे पर एक नई चमक और कुछ अच्छा करने का जज्बा साफ दिखाई दे रहा था।

पेज 09 के शेष...

16 महीने बाद ....

जीतकर पार्षद पद की जिम्मेदारी संभाले हैं। ऐसे में प्रत्येक वार्ड की जानकारी के लिए वार्ड पार्षद का नाम, वार्ड क्रमांक के साथ बोर्ड में सार्वजनिक स्थलों पर लगाया जाता है, लेकिन हैरानी की बात ये है कि शहर के कई स्थानों पर वार्डों में लगी नेम प्लेट पर पुराने पार्षदों के नाम ही दर्ज हैं, इससे शहर की जनता भ्रमित हो रही है कि उनके वार्ड के पार्षद कौन हैं, सही जनप्रतिनिधि की जानकारी इससे नहीं मिल रही है। कई जगहों पर बोर्ड जर्जर नजर आए, कहीं कहीं पर पुराने पार्षदों की फोटो वाली तख्ती निगम प्रशासन को मुंह चिढ़ाते दिखी। इन सबके बीच शहर के आउटर में नगर निगम जोन 9 में स्थित एक वार्ड ऐसा भी है जहां दो दशक बाद पहली बार वार्ड पार्षद के नाम की पट्टिका वहां के लोगों को देखने को मिलेगी।

केस-1: लगाई गई संकेतक पट्टिका में पुराने वार्ड पार्षद व पूर्व जोन अध्यक्ष की फोटो सहित नाम अंकित है, जबकि वर्तमान में जोन 6 अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता हैं और शहीद विक्रम वार्ड की पार्षद स्वप्निल मिश्रा जनता के बीच से चुनकर आई हैं।

केस-2: अभी भी पूर्व पार्षद उमा-चंद्रहास निर्मलकर को पार्षद के रूप में दर्शाया गया है। यही नहीं, उनकी फोटो भी इस बोर्ड में देखी जा सकती है, जबकि नगरीय निकाय चुनाव के बाद कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड से सुषमा-तिलक साहू नए वार्ड पार्षद बनकर आई हैं। हैरानी की बात नगर निगम जोन 10 ने न तो वर्तमान पार्षद का नाम दर्शाया है, न ही उनकी तस्वीर वार्ड में लगाए गए मार्ग संकेतक बोर्ड में लग पाई है।

केस-3 : भी नगर निगम ने पुराने वार्ड पार्षद का नाम हटाकर नए वार्ड पार्षद का नाम दर्ज करने का प्रयास नहीं किया है, जबकि नगरीय चुनाव के बाद इस प्रक्रिया को पूरा करना था।

केस-4 : में यह वार्ड क्रमांक 41 है, जिसके वर्तमान पार्षद सरिता-आकाश दुबे हैं। नगर निगम ने अभी तक मार्ग संकेतक बोर्ड में वार्ड क्रमांक नहीं सुधारा है, न ही वर्तमान पार्षद का नाम इसमें अंकित किया है।

केस-5 : के रिकार्ड में दर्ज है। इस वार्ड से रेणु-जयंत साहू पार्षद चुनकर आई हैं, पर वार्ड में आज तक एक भी मार्ग संकेतक पट्टिका नगर निगम ने नहीं लगाई है। ऐसे में वार्ड पार्षद रेणु-जयंत साहू ने नगर निगम से सामान्य मद से राशि स्वीकृत कराकर वार्ड में मार्ग संकेतक बोर्ड लगाने पहल की है। आने वाले दिनों में जोरा, लभांडी, फुंडहर में पहली बार वार्ड पार्षद के नाम से साथ फोटो भी बोर्ड में जनता को नजर आएगी। इसके लिए टेंडर हो गया है, जल्द मार्ग संकेतक लगाने का काम शुरू होगा।

समय सारिणी नहीं ....

बाद प्राचार्य से शिक्षकों की उपस्थिति पंजी चेक की। इस दौरान तीन शिक्षक छुट्टी पर रहे, जिनका मैनुअल आवेदन उपस्थिति पंजी में दबा रहा। डीईओ ने इसे देखकर प्राचार्य को फटकार लगाई और उन्हें शासन की मंशानुसार ऑनलाइन छुट्टी के लिए आवेदन क्यों नहीं किया, उसका जवाब मांगा। इस दौरान उन्होंने प्राचार्य को निर्देशित किया कि अनुपस्थित शिक्षकों की रिपोर्ट कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी में प्रस्तुत करें।

बिजली कर्मचारी महासंघ ....

लेकर छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी महासंघ ने डगनिया स्थित मुख्यालय भवन के सामने आमसभा एवं धरना प्रदर्शन कर विद्युत कंपनी प्रबंधन का ध्यान आकर्षित कराया।

जांच करने संबंधित ....

निराकरण किया जाता है। उन्होंने बताया कि सालभर में लगभग 20 शिकायतें आई हैं, इन सभी शिकायतों को जांच के लिए भेजा गया है, जिनमें कुछ में जांच प्रतिवेदन भी आ चुके हैं।

अल्पसंख्यक आयोग का ....

है। इसका कारण आयोग में सदस्यों की नियुक्ति नहीं किया जाना बताया गया है। आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि जब से उन्होंने आयोग के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली है, तब से सदस्यों की नियुक्ति नहीं हुई है। इसके कारण वे कोर्ट में सुनवाई भी नहीं कर पा रहे हैं।

खबर संक्षेप

मूणत ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने शहीद भगत सिंह वार्ड में शनिवार को विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। टाटीबंध के यदुवंशी चौक स्थित गायत्री मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सभापति सूर्यकांत राठौर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान टाटीबंध रायपुर में निर्मित सामुदायिक भवन तथा टाटीबंध यदुवंशी चौक स्थित अपूर्ण रंगमंच के पूर्णता कार्य का लोकार्पण किया गया। वहीं वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों में नाली निर्माण, आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण, विद्यालय में बाउंड्रीवाल, शौचालय एवं सहित अनेक जनोपयोगी विकास कार्यों का भूमिपूजन हुआ।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर प्रदेश कांग्रेस विधायक दल की बैठक रविवार को शाम 5 बजे नेता प्रतिपक्ष निवास कार्यालय में आहूत की गई है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। बैठक में मानसून सत्र को लेकर रणनीति बनेगी।

नगरीय प्रशासन विभाग में 122 अधिकारियों कर्मचारियों के तबादले

रायपुर। राज्य शासन ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के 122 अधिकारियों-कर्मचारियों की नवीन पदस्थापना की है। इनमें 66 अभियंता और 56 विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मचारी हैं। स्थानांतरित अधिकारियों-कर्मचारियों में कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उप अभियंता, प्रोग्रामर, राजस्व निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक से लेकर सहायक कार्यालय अधीक्षक, तकनीकी सहायक, लेखापाल, सहायक ग्रेड-2, सहायक ग्रेड-3, डॉटा एंट्री ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर, सहायक राजस्व निरीक्षक, समयपाल, कैशियर, वाहन चालक, चौकीदार, पंप अटेंडेंट और भृत्य शामिल हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने स्थानांतरित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को नवीन पदस्थापना स्थल पर 7 दिनों के भीतर कार्यभार ग्रहण कर विभाग को सूचित करने के निर्देश दिए हैं।

मेधावी छात्र सम्मान, करियर मार्गदर्शन समारोह आज

रायपुर। छग प्रगतिशील यादव महासंघ प्रयासम (महिला संगठन) द्वारा 12 जुलाई को मेधावी छात्र सम्मान एवं करियर मार्गदर्शन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम जीई रोड स्थित शहीद स्मारक भवन में सुबह 10.30 बजे प्रारंभ होगा। यह जानकारी संगठन के पदाधिकारियों ने देते हुए बताया कि मेधावी छात्रों के सम्मान के कार्यक्रम में प्रदेश के आईएएस और आईपीएस एवं प्रसिद्ध शिक्षाविद द्वारा सभी छात्रों को कॅरियर संबंधी मार्गदर्शन दिया जाएगा।

खरीफ बोनी ने पकड़ी रफ्तार, फिर भी कई जिलों में लक्ष्य से पीछे खेती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ दिनों की अच्छी बारिश के बाद खरीफ फसलों की बोनी में तेजी आई है। हालांकि मानसून की शुरुआती सुस्ती का असर अब भी कई जिलों में दिखाई दे रहा है और धान की रोपाई व अन्य खरीफ फसलों की बुवाई लक्ष्य से पीछे चल रही है। राज्य में सर्वाधिक बोनी धान की हो रही है, जबकि मक्का, दलहन और तिलहन की बुवाई भी तेज हुई है। कृषि विभाग का मानना है कि अगले एक सप्ताह तक अच्छी बारिश जारी रही, तो बोनी का रकबा तेजी से बढ़ेगा और अधिकतर जिले लक्ष्य के करीब पहुंच जाएंगे। मानसून की देर और शुरुआती

अच्छी बारिश हुई तो अगले सप्ताह बढ़ेगा बोनी का रकबा

बारिश की कमी के कारण सरगुजा, बलरामपुर, सूरजपुर, जशपुर, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कबीरधाम, बेमेतरा, राजनांदगांव तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जैसे जिलों में बोनी अपेक्षाकृत पिछड़ी हुई है। इन क्षेत्रों में किसान पर्याप्त वर्षा का इंतजार कर रहे हैं। मौसम में सुधार के बाद राज्य का वर्षा घटकर सामान्य श्रेणी के करीब पहुंच गया है, जिससे कृषि विभाग को उम्मीद है कि जुलाई के दूसरे पखवाड़े में बोनी का रकबा तेजी से बढ़ेगा और खरीफ सीजन की भरपाई हो सकेगी।

अर्ली वेरायटी के किस्मों का चयन करें

कृषि विभाग द्वारा किसानों को कम एवं मध्यम अवधि में पकने वाली फसलों एवं किस्मों का चयन करने की सलाह दी गई है, ताकि वर्षा की अनिश्चितता का प्रभाव कम किया जा सके। धान की खेती में रोपा पद्धति के बजाय धान की सीधी बुवाई को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया गया है। इस तकनीक से 20 प्रतिशत पानी की बचत होती है, प्रति एकड़ लगभग 5,000 रुपये की लागत कम आती है तथा फसल 12 से 15 दिन पहले तैयार हो जाती है।

बुवाई से बीज उपचार की सलाह

किसानों को बुवाई से पहले बीज उपचार अनिवार्य रूप से करने की सलाह दी गई है। यदि 15 जुलाई तक अंकुरण नहीं होता है, तो किसानों को पुनः बुवाई करते समय सामान्य बीज दर की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक बीज उपयोग करने की सलाह दी गई है। साथ ही जुलाई के अंत तक मूंग एवं उड़द की बुवाई तथा अगस्त में तिल, सूरजमुखी एवं मध्यम अवधि वाली अरहर की बुवाई करने का सुझाव दिया गया है।

20 प्रतिशत से अधिक बोनी : प्रदेश में मानसून की दस्तक के साथ ही खेती किसानी का कार्य तेजी के साथ शुरू हो गया है। राज्य में अब तक की स्थिति में लक्ष्य का 20 प्रतिशत से अधिक बोनी हो चुकी है। इस खरीफ सीजन में 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बाघों के शिकार मामले में संदेहियों से लगातार पूछताछ जारी

बाघों का शिकार रोकने आईटीआर से गढ़चिरौली तक बनेगा 106 किलोमीटर का सुरक्षा कॉरिडोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इंद्रावती टाइगर रिजर्व बाघों के मूवमेंट का बड़ा कॉरिडोर है। 28 सौ वर्ग किलोमीटर में फैले इस टाइगर रिजर्व का 106 किलोमीटर का एरिया महाराष्ट्र से सटे गढ़चिरौली से लगा हुआ है। इंद्रावती में तीन बाघों के शिकार के बाद वन विभाग के अफसर सकते में हैं। टाइगर रिजर्व की सुरक्षा बढ़ाने वन विभाग के अफसरों ने नए सिरे से प्रयास तेज कर दिए हैं। अफसरों के अनुसार शिकार रोकने महाराष्ट्र के साथ छत्तीसगढ़ के वन अफसरों तथा कर्मियों की एक कोआर्डिनेशन टीम गठित कर इंद्रावती टाइगर रिजर्व से सटे महाराष्ट्र के गढ़चिरौली तक सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। साथ ही इस क्षेत्र में दोनों प्रदेश के वन कर्मियों की टीम गश्त करने के साथ ही एक दूसरे के साथ सूचनाओं का आदान प्रदान करेगी।

इंद्रावती टाइगर रिजर्व के कुल क्षेत्रफल में से 1,258.37 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्रफल कोर एरिया में शामिल है। कोर एरिया में महाराष्ट्र के वन्यजीव विचरण करते हुए इंद्रावती टाइगर रिजर्व में आते हैं। उनमें राज्य का राजकीय पशु वनभैंसा भी शामिल है। इंद्रावती टाइगर रिजर्व में सभी प्रजातियों के वन्यजीवों विचरण करते हैं। इस कारण बाघ शिकार की तलाश में इंद्रावती में आते रहते हैं।

आईटीआर में और मूवमेंट की मिल रही जानकारी, विभाग अलर्ट

कंकाल मिला लेकिन खाल की अब तक तलाश जारी

दो बाघ के खाल की जब्ती के साथ एक बाघ का कंकाल जब्त किया गया है। तीसरे बाघ के खाल की अब तक जब्ती नहीं हुई है। इसके लिए उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की एंटी पोचिंग टीम के साथ इंद्रावती टाइगर रिजर्व तथा पुलिस की संयुक्त टीम खाल की पतासाजी करने में जुटी हुई, लेकिन खाल का अब तक पता नहीं चल पाया है।

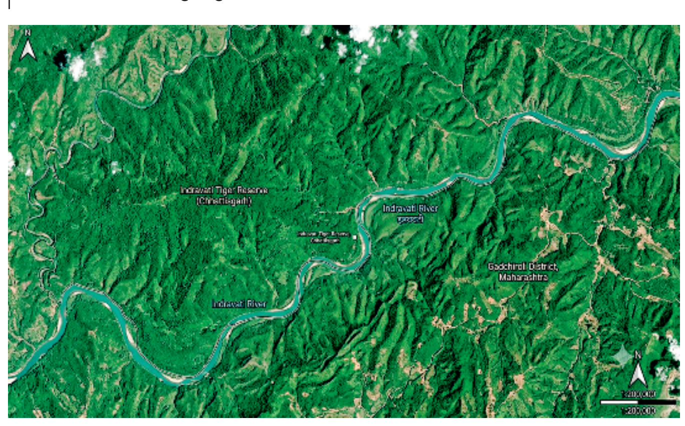

चार राज्यों के तस्करों की नजर आईटीआर में

बस्तर संभाग चार राज्यों की सीमा से सटा हुआ है। बस्तर का एक बड़ा भू-भाग ओडिशा सीमा से सटा है। सुकमा और बीजापुर, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश तथा महाराष्ट्र सीमा से सटा हुआ है। यहां बाघों के शिकार के साथ तेंदुआ का शिकार करने इन चार राज्यों के तस्करों की नजरें रहती हैं। तस्कर निचले स्तर के वनकर्मी तथा लोकल ग्रामीणों की मदद से शिकार करने का काम करते हैं।

आधा दर्जन से ज्यादा बाघों की मौजूदगी की संभावना

आईटीआर के डिप्टी डायरेक्टर संदीप बलगा के अनुसार इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघों के मूवमेंट की लगातार निगरानी की जाती रही है। ट्रैप कैमरा में बाघों के पूर्व में कई फोटो कैद किए गए हैं। वन अफसर ने इंद्रावती टाइगर रिजर्व में आधा दर्जन से ज्यादा बाघों की मौजूदगी की संभावना व्यक्त की है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में माओवादी क्षेत्र होने की वजह से इस क्षेत्र में बाघों की गणना के लिए ट्रैप कैमरा नहीं लगाए जाते थे। पिछले वर्ष 15 स्थानों पर ट्रैप कैमरा लगाए गए थे।

सीएम साय बोले- रेल परियोजनाएं प्रदेश की विकास यात्रा को दे रही हैं नई दिशा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- रेलवे के मानचित्र पर नई पहचान बना रहा छत्तीसगढ़, 24 गुना बढ़ा रेलवे बजट

छत्तीसगढ़ में रेलवे विकास अब केवल नई रेल लाइनों के निर्माण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रदेश की औद्योगिक प्रगति, ऊर्जा सुरक्षा, निवेश, रोजगार, व्यापार और क्षेत्रीय संतुलित विकास का सबसे सशक्त आधार बनकर उभरा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से पिछले ढाई वर्षों में रेलवे अधोसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। रिकॉर्ड बजटीय निवेश, नई रेल लाइनों का निर्माण, मल्टी-ट्रैकिंग, दोहरीकरण, आधुनिक स्टेशन, शत-प्रतिशत विद्युतीकरण तथा दूरस्थ आदिवासी अंचलों तक रेल संपर्क के विस्तार ने छत्तीसगढ़ को देश के रेलवे मानचित्र पर अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित कर दिया है। वर्तमान में प्रदेश में 51 हजार करोड़ से अधिक लागत की रेल परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है, जो राज्य के इतिहास का सबसे बड़ा रेलवे निवेश है और विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत आधारशिला बन रहा है। रेलवे क्षेत्र में हुआ रिकॉर्ड निवेश इस परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रमाण है। वर्ष 2014 से पहले छत्तीसगढ़ को रेल परियोजनाओं के लिए औसतन लगभग 300 करोड़ का वार्षिक बजट प्राप्त होता था, जबकि वर्ष 2026-27 में यह बढ़कर 7,470 करोड़ तक पहुंच गया है। अर्थात एक दशक में रेलवे बजट में लगभग 24 गुना की ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। यह केवल बजट में बढ़ोतरी नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के प्रति केंद्र सरकार की विकास प्राथमिकताओं और राज्य की बढ़ती आर्थिक क्षमता का परिचायक है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने छत्तीसगढ़ में रेलवे विकास को अभूतपूर्व गति दी है। उन्होंने कहा कि रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव की पहल पर जिस तेजी से नई रेल परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है और उन पर कार्य प्रारंभ हुआ है, उसने प्रदेश के विकास की दिशा ही बदल दी है।

बिना कार्यकारिणी के विदा हो रहे बैज : भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उज्ज्वल दीपक ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के कार्यकाल को लेकर कहा, राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा के कथित आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ कांग्रेस की कमान संभालने वाले दीपक बैज का तीन साल का कार्यकाल पूरी तरह विफल साबित हुआ है। गुटबाजी और अंतर्कलह के दलदल में धंसी कांग्रेस का यह हश्र होना ही था। श्री दीपक ने कहा, एक तथाकथित बड़ा आदिवासी चेहरा अपने पूरे कार्यकाल में 10 उपाध्यक्ष, 23 महामंत्री और 252 सदस्यों वाली अपनी एक अदद 'पूर्ण कार्यकारिणी' तक गठित नहीं कर पाया।

अधिवक्ता संघ का शपथ ग्रहण साव-बृजमोहन हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जिला अधिवक्ता संघ, रायपुर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का पद एवं गोपनीयता शपथ ग्रहण समारोह जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री अरुण साव थे। विशिष्ट अतिथियों में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, महापौर मीनल चौबे, राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त न्यायाधीश गौतम चौरड़िया तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलराम प्रसाद वर्मा उपस्थित रहे। समारोह में न्यायाधीश तथा सैकड़ों अधिवक्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलराम प्रसाद वर्मा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष दिनेश देवांगन, सचिव राकेश पुरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारती राठौर, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पाटस्कर, कोषाध्यक्ष रानी लक्ष्मी साहू, सहसचिव गुणेश कुमार निर्मलकर, महिला सहसचिव नेहा राठौर, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव युगेश्वर कुमार साहू, ग्रंथालय सचिव महेंद्र कुमार देवांगन सहित कार्यकारिणी के सभी सदस्य शामिल रहे।

साव और बृजमोहन ने दी सहायता

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, अधिवक्ता केवल न्यायालयों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे संविधान, कानून और लोकतंत्र के वास्तविक प्रहरी हैं। उन्होंने जिला अधिवक्ता संघ के अधोसंरचनात्मक विकास एवं अधिवक्ताओं के हित में 50 लाख रुपये की सहायता की घोषणा की। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, अधिवक्ता न्याय व्यवस्था के मजबूत स्तंभ हैं और समाज का उन पर अटूट विश्वास है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता केवल अपने मुवक्किल का पक्ष नहीं रखते, बल्कि न्याय की स्थापना और कानून के शासन को मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।

अकबर ने कहा- नकटी सहित छह गांवों की 1076 एकड़ जमीन बिल्डरों को सौंपने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद अकबर ने कहा, प्रदेश की भाजपा सरकार अब नकटी गांव के विवाद को सुलझाने के बजाय वहां की जमीनों को लेकर एक अन्य विवाद की तैयारी में है। शासकीय दस्तावेज स्पष्ट रूप से बताते हैं कि नकटी सहित सेरीखेड़ी, मंदिर हसौद, रमचंडी, बरौंदा और रीको की कुल 436.01 हेक्टेयर (करीब 1076 एकड़) भूमि को नगर विकास योजना के नाम पर निजी हाथों में सौंपने की तैयारी की जा रही है। सबसे गंभीर बात यह है कि इस प्रस्तावित योजना में नकटी गांव की भी कुछ जमीनों को शामिल किया गया है। सरकार स्पष्ट करे कि इस योजना में वह विवादित जमीन तो शामिल नहीं है, जहां तोडफोड़ हुई है। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा जारी निविदा के दस्तावेज बताते हैं कि चयनित एजेंसी को सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज, विद्युत जैसी आधारभूत संरचनाएं विकसित करने के बदले मिश्रित उपयोग (मिक्स यूज) भूमि के विकास और उसके विक्रय का अधिकार दिया जाएगा। इसका मतलब ये है कि उक्त जमीनों को सीधे न बेचकर डेवलपर के माध्यम से बेचा जा रहा है। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 22 जुलाई है। नकटी गांव की जमीन को लेकर विवाद बना हुआ है, प्रभावित परिवार न्याय की मांग कर रहे हैं और उनकी समस्याओं का समाधान अभी तक नहीं हुआ है। वर्तमान परिस्थितियों में ग्राम नकटी में तनावपूर्ण स्थिति है, इसलिए जब तक पीड़ित परिवारों को न्यायपूर्ण और सर्वसम्मत हक नहीं मिल जाता, तब तक सरकार की प्राथमिकता मान्य व्यवस्थापन ही होना चाहिए।

बिल्डरों को जमीन सौंपने का आरोप झूठा : केदार

वन मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस नेता मो. अकबर द्वारा नकटी क्षेत्र की 1076 एकड़ भूमि को बिल्डरों को सौंपने की तैयारी संबंधी आरोपों को पूरी तरह मनगढ़ंत, झूठा और राजनीतिक साजिश बताया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के पास न तथ्य हैं, न प्रमाण, इसलिए जनता को भ्रमित करने के लिए झूठ का सहारा लिया जा रहा है। उन्होंने अकबर को खुली चुनौती देते हुए कहा, यदि उनके आरोपों में जरा भी सच्चाई है, तो वे दस्तावेज और प्रमाण सार्वजनिक करें। साय सरकार किसी भी दुष्प्रचार या राजनीतिक दबाव में आने वाली नहीं है। सरकारी भूमि की रक्षा, कानून का निष्पक्ष पालन और गरीबों के हितों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह अभियान पूरी पारदर्शिता के साथ आगे भी जारी रहेगा।

मंदिर हसौद में नए तहसील भवन का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के मंदिर हसौद में तहसील दफ्तर के नए भवन का शनिवार को शुभारंभ हुआ। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने फीता काटकर इस नए तहसील दफ्तर भवन की शुरुआत की। इस दौरान सांसद ने कहा कि आधुनिक नया तहसील भवन के बनने से लोगों को पहले से अधिक सुविधाएं मिलेंगी। इससे कार्य में भी तेजी आएगी।

66.20 लाख की लागत से बना भवन

प्रशासनिक सेवाओं को आमजन के और अधिक निकट, सुलभ और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मंदिर हसौद क्षेत्र में नए तहसील दफ्तर का निर्माण किया गया है। नगर पंचायत समोदा में बने इस तहसील भवन का लोकार्पण 9 जुलाई 2026 को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया था, जिसका शुभारंभ अब हुआ है। नवनिर्मित तहसील भवन में 13 कक्ष तथा 3 कोर्ट बनाए गए हैं। इसके अलावा नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ पेयजल सहित अन्य बुनियादी व्यवस्थाएं भी हैं। इस आधुनिक तहसील दफ्तर का निर्माण 66.20 लाख रुपए की लागत से हुआ है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा, संदीप जैन अध्यक्ष नगर पालिका परिषद आरंग, प्रतीक बैस अध्यक्ष नगर पंचायत चंदखुरी, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, एसडीएम आरंग अभिलाषा पैकरा तथा तहसीलदार मंदिर हसौद विक्रांत सिंह राठौर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

धर्म के नाम पर राजनीति कर रही भाजपा : कमलेश्वर

अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में कांग्रेस ने बीजेपी को रामद्रोही बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य और एमपी सरकार के पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने कहा, राम मंदिर चढ़ावा चोरी का जो मामला आया है, उसमें बीजेपी ने अब तक कितने की चोरी हुई है या कितने का चढ़ावा आया था, इस बात का कोई भी स्पष्ट जवाब नहीं दिया है। भले ही कुछ लोगों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, लेकिन कई ऐसे लोग हैं, जिन पर कार्रवाई करने की जरूरत है। आखिर बीजेपी सरकार इन लोगों पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है।

राजीव भवन में संवाददाताओं से चर्चा में कमलेश्वर पटेल ने बीजेपी पर धर्म के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जिस समय बीजेपी ने भगवान राम की प्रतिमा स्थापित की, उस समय स्थानीय संत महात्माओं ने मुहूर्त नहीं होने की बात कही थी। बावजूद इसके भगवान राम की प्रतिमा स्थापित की गई, जिसका नतीजा आज सामने है। आज राम मंदिर में चढ़ावा चोरी हो गया। उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति पर भगवान की कृपा होती है, वही सत्य धर्म और मर्यादा के मार्ग पर चलता है। जो व्यक्ति छल कपट और चोरी का रास्ता चुनता है, वह केवल कानून ही नहीं, बल्कि धर्म से भी भटक जाता है।

मामले में कांग्रेस का बड़ा आरोप

25 नवंबर 2025 को ध्वजारोहण कार्यक्रम में 10 से 12 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा में 113 करोड़ रुपए खर्च किए गए। यह पैसा देश की आम जनता का है। यह पैसा मंदिर निर्माण के लिए गरीबों ने दिया था। किसानों ने दिया था, जितने लोग धर्म और भगवान के प्रति आस्था रखते हैं, देश के सभी दलों के लोगों ने पैसा दिया था, इस तरह से लूटने का काम भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को कतई नहीं करना था।

बीजेपी-आरएसएस के संरक्षण में चंदा चोरी

अभी जो एसआईटी गठित हुई है उसमें फर्जी रसीद नकद चढ़ावा लेखा-जोखा हेराफेरी के अनेक आरोप सामने आए हैं। श्री पटेल ने कहा, यही नहीं बीजेपी और आरएसएस के संरक्षण में पहले अयोध्या के राम मंदिर में चंदा चोरी हुआ और फिर अभी उत्तराखंड के बद्रीनाथ मंदिर में चंदा चोरी हुआ। मध्यप्रदेश के बगुलामुखी देवी का मंदिर है, वहां पर भी करोड़ों रुपए की चंदा चोरी का मामला सामने आया है। ऐसे पूरे देश में एक रैकेट सा भारतीय जनता पार्टी की सरकार में धर्म के नाम पर लूटने का बना है।

भाजपा का पलटवार

भाजपा के प्रदेश मंत्री अमित साहू ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा, जो दल हमेशा प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को नकारता रहा, जिसने सुप्रीम कोर्ट में श्रीराम को 'काल्पनिक' बताने का हलफनामा दिया, आज वही कांग्रेस 'कालनेमि' रूप धरकर रामभक्त बनने का ढोंग कर रही है। कांग्रेस नेताओं के अनर्गल आरोपों पर कड़ा प्रतिकार करते हुए उन्होंने कहा, देश और प्रदेश की जनता कांग्रेस के इस दोहरे चरित्र और राम-विरोधी मानसिकता को अच्छी तरह पहचानती है। श्री साहू ने कांग्रेस के पाखंड पर प्रहार करते हुए कहा, रामायण में जिस प्रकार कालनेमि राक्षस ने भगवान राम के कार्य में बाधा डालने के लिए साधु का वेश धरकर हनुमान जी को गुमराह करने का प्रयास किया था, ठीक उसी तरह आज कांग्रेस के नेता रामभक्ति का चोला ओढ़कर देश की जनता को भ्रमित करने का निष्फल प्रयास कर रहे हैं। श्री साहू ने कहा कि भगवान श्री राम मंदिर अयोध्या में हुई घटना की जांच की जा रही है और दोषियों पर लगातार कार्रवाई भी हो रही है।

PAARAS INSTITUTE OF EDUCATION

10 वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा

आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में जहां शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं रही, वहीं कुछ संस्थान ऐसे भी हैं जो विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। Paaras Institute of Education उन्हीं में से एक है, जिसने अपने 10 वर्षों के सफर में शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तित्व निर्माण का भी महत्वपूर्ण कार्य किया है।

वर्ष 2016 में एक छोटे से प्रयास के रूप में शुरू हुआ यह संस्थान आज छत्तीसगढ़ के शिक्षा क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुका है। शुरुआत में सीमित संसाधन और अनेक चुनौतियां थीं, लेकिन मजबूत इरादों और निरंतर मेहनत ने हर कठिनाई को अवसर में बदल दिया।

इन 10 वर्षों में Paaras Institute ने शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी को भी निभाया है। Paaras Group of Foundation के माध्यम से महिलाओं, सामाजिक संगठनों और प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित कर समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य किया गया है।

संस्थान की यह यात्रा केवल एक संस्थान की उपलब्धि नहीं, बल्कि उन हजारों छात्रों की सफलता की कहानी है, जिन्होंने यहां से शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन को नई दिशा दी।

आज जब Paaras Institute of Education अपने 10 वर्षों की सफलता का उत्सव मना रहा है, यह केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि उस विश्वास, मेहनत और नेतृत्व का प्रतीक है, जिसने इसे एक मजबूत पहचान दिलाई है।

Paaras Institute की सबसे बड़ी उपलब्धि उसके विद्यार्थी हैं। पिछले 10 वर्षों में हजारों छात्रों ने यहां से शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल की है। कई छात्र आज सरकारी और निजी क्षेत्रों में कार्यरत हैं, वहीं कुछ छात्रों ने अपना खुद का व्यवसाय भी शुरू किया है। यह संस्थान के प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की गुणवत्ता को दर्शाता है।

कंप्यूटर शिक्षा: रोजगार की दिशा में मजबूत कदम:

संस्थान की सबसे बड़ी विशेषता इसका स्टूडेंट-फोकस्ड अप्रोच है, जहां केवल पाठ्यक्रम पूरा करना ही लक्ष्य नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को रोजगार के योग्य बनाना प्राथमिकता है।

आधुनिक कंप्यूटर शिक्षा से रोजगार की ओर Paaras Institute of Education ने कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में एक मजबूत पहचान बनाई है। यहां विद्यार्थियों को केवल थ्योरी नहीं, बल्कि प्रैक्टिकल और जॉब-ओरिएंटेड ट्रेनिंग दी जाती है।

संस्थान में निम्नलिखित प्रमुख कोर्स संचालित किए जाते हैं:

- **DCA (Diploma in Computer Application)**
- **PGDCA (Post Graduate Diploma in Computer Application)**
- **Basic Computer Course**
- **Tally & Accounting**
- **MS Office & Data Entry Training**
- **Internet & Digital Skills**
- **Graphic Designing**
- **Digital Marketing**
- **Advance Excel with AI Tools**
- **Computer Hardware**
- **CCA**
- **ADCA**

ग्रामीण और शहरी—दोनों क्षेत्रों तक शिक्षा की पहुंच

Paaras Institute of Education ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि अच्छी शिक्षा केवल शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों तक भी समान रूप से पहुंचे। इसी सोच के साथ संस्थान ने शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति बनाई है।

छत्तीसगढ़ में तेजी से उभरता हुआ शैक्षणिक संस्थान

Paaras Institute of Education ने बहुत ही कम समय में अपनी मेहनत, गुणवत्ता और परिणामों के दम पर छत्तीसगढ़ के शिक्षा क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है। लगातार बेहतर शिक्षा, आधुनिक कोर्स और छात्रों के प्रति समर्पित दृष्टिकोण के कारण यह संस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है।

संस्थान की खासियत यह है कि यहां केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं रहा जाता, बल्कि छात्रों को उनके करियर के लिए तैयार किया जाता है। यही वजह है कि आज Paaras Institute छात्रों और अभिभावकों के बीच एक भरोसेमंद नाम बन चुका है।

समय के साथ संस्थान ने अपनी पहुंच और सेवाओं का विस्तार किया है, जिससे यह छत्तीसगढ़ के उभरते हुए प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में अपनी जगह बना रहा है।

हजारों विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा एवं रोजगार का मार्ग

Paaras Institute of Education ने पिछले 10 वर्षों में हजारों विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा दिखाई है। यहां दिए जाने वाले प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य केवल कोर्स पूरा कराना नहीं, बल्कि छात्रों को रोजगार के लिए तैयार करना है।

संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त कर कई छात्र आज विभिन्न सरकारी और निजी संस्थानों में कार्यरत हैं, वहीं कुछ ने अपने स्वयं के व्यवसाय भी शुरू किए हैं। यह संस्थान के गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और सही मार्गदर्शन का परिणाम है कि यहां से निकले विद्यार्थी आज अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं।

Paaras Institute का प्रयास हमेशा यही रहा है कि हर छात्र को ऐसा कौशल मिले, जिससे वह अपने पैरों पर खड़ा हो सके और अपने परिवार व समाज के लिए प्रेरणा बन सके।

100% Practical & Job-Oriented Training System

Paaras Institute of Education की सबसे बड़ी विशेषता इसका 100% प्रैक्टिकल और जॉब-ओरिएंटेड प्रशिक्षण सिस्टम है। यहां शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि हर विषय को वास्तविक कार्य के माध्यम से सिखाया जाता है।

संस्थान में विद्यार्थियों को कंप्यूटर पर लाइव प्रैक्टिस, प्रोजेक्ट वर्क और रियल-टाइम टास्क के जरिए प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे वे कार्यस्थल की वास्तविक परिस्थितियों को पहले से ही समझ सकें।

इस प्रशिक्षण पद्धति का उद्देश्य छात्रों को केवल सर्टिफिकेट देना नहीं, बल्कि उन्हें इस काबिल बनाना है कि वे किसी भी नौकरी या कार्य को आत्मविश्वास के साथ संभाल सकें।

इसी कारण Paaras Institute से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्र रोजगार के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करते हैं और जल्दी ही अपने करियर में आगे बढ़ते हैं।

Student-Focused Learning Approach (छात्र केंद्रित शिक्षा)

Paaras Institute of Education में शिक्षा का केंद्र केवल पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक छात्र होता है। यहां हर विद्यार्थी की सीखने की गति, समझ और लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए पढ़ाई कराई जाती है, ताकि वह अपनी क्षमता के अनुसार बेहतर प्रदर्शन कर सके।

संस्थान में शिक्षक केवल पढ़ाने का कार्य नहीं करते, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं। वे छात्रों की कमजोरियों को समझकर उन्हें सुधारने में मदद करते हैं और उनकी ताकत को और मजबूत बनाते हैं।

छात्रों को सवाल पूछने, प्रैक्टिकल करने और सीखने के लिए खुला वातावरण दिया जाता है, जिससे उनमें आत्मविश्वास विकसित होता है।

इसी छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण के कारण Paaras Institute में पढ़ाई एक बोझ नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक अनुभव बन जाती है, जो विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करती है।

Paaras Group of Foundation द्वारा सामाजिक योगदान

Paaras Group of Foundation समाज सेवा के क्षेत्र में एक सक्रिय और प्रेरणादायक भूमिका निभा रहा है। यह केवल एक संस्था नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक सशक्त प्रयास है।

फाउंडेशन के माध्यम से महिलाओं, समाजसेवियों और विभिन्न संगठनों को सम्मानित कर उनके कार्यों को सराहा जाता है, जिससे उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इसके साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़कर एक मजबूत सामाजिक वातावरण तैयार करने का प्रयास भी किया जाता है।

Paaras Foundation का उद्देश्य केवल सम्मान देना नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता, सहयोग और एकता की भावना को बढ़ावा देना है।

इसी सोच के साथ यह फाउंडेशन लगातार समाज के उत्थान और सकारात्मक बदलाव की दिशा में कार्य कर रहा है।

हमारे उपक्रम (Our Ventures):

1. Paaras Institute of Education
यह संस्थान कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में एक मजबूत पहचान बना चुका है, जहां छात्रों को DCA, PGDCA सहित विभिन्न कोर्स के माध्यम से रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण दिया जाता है।

2. Paaras Group of Institutions
Franchise Network
Paaras Group of Institutions के तहत विभिन्न फ्रेंचाइजी सेंटर संचालित किए जा रहे हैं, जो शिक्षा को राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

3. PIE Paaras Pvt. Ltd.
Professional & Business Entity
यह संस्था Paaras Group की व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन करती है, जिसका उद्देश्य संस्थान के विकास और विस्तार को नई दिशा देना है।

4. Paaras Group of Foundation
Non-Government Organization (NGO)
यह फाउंडेशन समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय है, जहां महिलाओं, समाजसेवियों और संस्थाओं को सम्मानित कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया जाता है।

5. Bholuchand.com- Digital News Portal
यह एक उभरता हुआ न्यूज पोर्टल है, जो स्थानीय, शैक्षणिक और सरकारी खबरों को आम जनता तक तेजी और सटीकता के साथ पहुंचाने का कार्य कर रहा है।

6. The Bholuchand Talk Show
Podcast & Digital Media Channel
यह एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जहां विभिन्न विषयों पर चर्चा, इंटरव्यू और प्रेरणादायक कहानियां प्रस्तुत की जाती हैं।

इन सभी उपक्रमों के माध्यम से Paaras Group शिक्षा, व्यवसाय, समाज सेवा और मीडिया के क्षेत्र में एक मजबूत और विश्वसनीय पहचान बना रहा है।

Dr. Kavita kumbhaj
Founder & Director

संघर्ष, समर्पण और दूरदर्शी नेतृत्व से बना शिक्षा का मजबूत स्तंभ

संस्थान की निदेशक डॉ. कविता कुंभज के नेतृत्व में Paaras Institute ने शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता और अनुशासन की मजबूत पहचान बनाई है। उनका उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाना है। उनके मार्गदर्शन में संस्थान ने कई नई उपलब्धियां हासिल की हैं।

Mr. Rahul kumbhaj
Director - Amleshawar Branch

सही मार्गदर्शन और समर्पण से ही सफलता का रास्ता बनता है — Paaras Institute इसी सोच के साथ आगे बढ़ रहा है।

अमलेश्वर शाखा के डायरेक्टर राहुल कुंभज ने क्षेत्रीय स्तर पर संस्थान की पहुंच को मजबूत किया है। उन्होंने स्थानीय विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण कंप्यूटर शिक्षा पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

हमारे फ्रेंचाइज़ी सेंटर

रायपुर | बिलासपुर | दुर्ग | भिलाई | धमतरी | कोरबा | रायगढ़ | जांजगीर चांपा | कांकेर | दुर्ग भिलाई |कोंडागांव | धरमजयगढ़ | जगदलपुर | राजनांदगांव | कवर्धा | बालोद | बेमेतरा | सिमगा | सूरजपुर | पामगढ़ | बिलाईगढ़, कटघोरा |
रायपुर : (देवपुरी | खोरपा | रवेली | ज़ोरा | लोधीपारा | श्रीनगर | राजेंद्र नगर | **बिरगांव**)

फ्रेंचाइज़ी पार्टनर बनने का सुनहरा अवसर

क्या आप शिक्षा के क्षेत्र में अपना स्वयं का संस्थान स्थापित करना चाहते हैं?

पारस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन आपको अपने शहर या क्षेत्र में हमारे प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ जुड़कर कंप्यूटर शिक्षा एवं कौशल विकास केंद्र संचालित करने का अवसर प्रदान करता है।

हमारा उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुख एवं तकनीकी शिक्षा को हर क्षेत्र तक पहुँचाना है। यदि आप शिक्षा के क्षेत्र में एक सफल एवं सम्मानजनक व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, तो PAARAS Institute of Education आपका विश्वसनीय सहयोगी है।

फ्रेंचाइज़ी के साथ आपको मिलेगा
- प्रतिष्ठित एवं विश्वसनीय ब्रांड का सहयोग
- संपूर्ण अकादमिक एवं तकनीकी मार्गदर्शन
- पाठ्यक्रम एवं अध्ययन सामग्री
- प्रवेश (Admission) एवं प्रचार-प्रसार में सहयोग
- फैकल्टी प्रशिक्षण एवं संचालन संबंधी सहायता
- परीक्षा एवं प्रमाणपत्र (Certificate) की सुविधा
- कम निवेश में बेहतर व्यवसायिक संभावनाएँ

कौन जुड़ सकता है?
- शिक्षाविद एवं शिक्षक
- युवा उद्यमी
- कोचिंग संस्थान संचालक
- सामाजिक संस्थाएँ एवं ट्रस्ट
- शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक व्यक्ति

आइए, मिलकर भविष्य गढ़ें

अपने क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कंप्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराएँ और एक सफल शैक्षणिक उद्यम की शुरुआत करें।

पता-पारस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन , महावीर स्वीट्स के पास, भाटागांव, रायपुर, (छः ग:) 6263903865, 7987018381, 7879008105

ब्रांच-साहू कॉम्प्लेक्स, खुड़मुड़ा रोड, तिरंगा चौक अमलेश्वर (रायपुर)

रायपुर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके अग्रसेन महाविद्यालय

राजधानी रायपुर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके अग्रसेन महाविद्यालय ने 2 जुलाई को अपने 24वें स्थापना दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं समस्त नागरिकों को शुभकामनाएं दी हैं। पिछले 24 वर्षों से महाविद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संस्कार, अनुशासन एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षण के माध्यम से हजारों विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर रहा है। संस्था ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए प्रदेश में अपनी अलग पहचान स्थापित की है।

महाविद्यालय का संचालन महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षा समिति द्वारा किया जाता है। संस्था का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व क्षमता एवं व्यावसायिक दक्षता से परिपूर्ण बनाना है। यही कारण है कि आज अग्रसेन महाविद्यालय प्रदेश के विद्यार्थियों की पहली पसंद बनकर उभरा है।

हाविद्यालय NAAC Accredited होने के साथ-साथ UGC Act 2(f) एवं 12(B) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त है। यह उपलब्धि संस्था की शैक्षणिक गुणवत्ता, पारदर्शी व्यवस्था एवं उच्च शिक्षण स्तर को दर्शाती है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली, अनुभवी प्राध्यापक, समृद्ध पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, डिजिटल शिक्षण सुविधाएं एवं विद्यार्थी-केंद्रित वातावरण महाविद्यालय की प्रमुख विशेषताएं हैं।

सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए महाविद्यालय में प्रवेश प्रारंभ हो गया है। विद्यार्थियों की रुचि एवं वर्तमान समय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर, व्यावसायिक एवं शोध पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

महाविद्यालय में बी.कॉम., बीबीए, बीसीए, बी.एससी. (कंप्यूटर साइंस), बी.एससी. (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया), बीएएमसी, एम.कॉम., एमएसडब्ल्यू, एमजे (मास्टर ऑफ जर्नलिज्म), एमबीए (मीडिया मैनेजमेंट), एम.ए. इन योगा, पीजीडी इन योगा, पीजीडीसीए, पीजीडीजे, डीसीए तथा पीएच.डी. (कॉमर्स) जैसे रोजगारोन्मुखी एवं उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

रोजगार एवं करियर पर विशेष फोकस

महाविद्यालय प्रबंधन का मानना है कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप व्यावहारिक एवं तकनीकी दक्षता भी प्रदान करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से संस्थान में समय-समय पर विशेषज्ञ व्याख्यान, कार्यशालाएं, सेमिनार, व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम, करियर काउंसलिंग, डिजिटल स्किल डेवलपमेंट तथा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

कॉमर्स, प्रबंधन, कंप्यूटर, मीडिया, सामाजिक कार्य, पत्रकारिता एवं योग जैसे क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए महाविद्यालय ने ऐसे पाठ्यक्रम विकसित किए हैं, जो विद्यार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार दोनों के लिए सक्षम बनाते हैं। यहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक, संचार कौशल एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने के पर्याप्त अवसर मिलते हैं।

विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अग्रसेन महाविद्यालय द्वारा विशेष छात्रवृत्ति योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत पात्र एवं मेधावी विद्यार्थियों को शिक्षण शुल्क में 75 प्रतिशत तक की विशेष छूट प्रदान की जाती है। महाविद्यालय का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाना है, ताकि कोई भी विद्यार्थी आर्थिक अभाव के कारण अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़े। यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक समरसता एवं समान अवसर प्रदान करने की दिशा में महाविद्यालय का महत्वपूर्ण प्रयास है।

संस्कार और अनुशासन पर विशेष बल

अग्रसेन महाविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक जिम्मेदारी पर भी विशेष ध्यान देता है। राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद प्रतियोगिताएं, रक्तदान शिविर, पर्यावरण संरक्षण अभियान एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में सेवा भावना एवं नेतृत्व कौशल विकसित किया जाता है।

स्थापना दिवस पर संदेश

24वें स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिवार ने सभी पूर्व एवं वर्तमान विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था का यह गौरवशाली सफर सभी के सहयोग, विश्वास एवं समर्पण का परिणाम है। आने वाले वर्षों में भी महाविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करते हुए विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा एवं बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। महाविद्यालय प्रबंधन ने 12वीं एवं स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थियों से अपील की है कि वे समय रहते प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में पहला कदम बढ़ाएं। सीमित सीटों के कारण इच्छुक अभ्यर्थियों को शीघ्र आवेदन करने की सलाह दी गई।

अग्रसेन महाविद्यालय – 24 वर्षों से शिक्षा, संस्कार, गुणवत्ता और सफलता की गौरवशाली परंपरा।

महंत कॉलेज इंग्लिश मीडियम में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रारंभ

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का सुनहरा अवसर

राजधानी रायपुर का प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान महंत कॉलेज इंग्लिश मीडियम शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुशासन एवं आधुनिक शिक्षा प्रणाली के लिए अपनी विशेष पहचान रखता है। वर्ष 2026-27 के नए शैक्षणिक सत्र के लिए महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। महाविद्यालय द्वारा विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में योग्य विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान, व्यक्तित्व विकास एवं रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। महाविद्यालय में इस वर्ष बी.कॉम., बी.एससी. (कंप्यूटर साइंस), बी.बी.ए., बी.ए., बी.सी.ए., एम.कॉम., एम.ए. (हिंदी, अंग्रेजी एवं राजनीति विज्ञान), पत्रकारिता (Journalism), पीजीडीसीए, डीसीए तथा योग जैसे अनेक लोकप्रिय एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों को वर्तमान समय की आवश्यकताओं एवं उद्योगों की मांग को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, ताकि विद्यार्थी अपनी रुचि एवं योग्यता के अनुसार बेहतर करियर का चयन कर सकें। महाविद्यालय प्रबंधन के अनुसार आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल डिग्री प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, तकनीकी दक्षता एवं व्यावहारिक ज्ञान का विकास भी अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए महंत कॉलेज इंग्लिश मीडियम में नियमित कक्षाओं के साथ-साथ सेमिनार, कार्यशालाएं, व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम, करियर काउंसलिंग, डिजिटल लर्निंग एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया जाता है।कॉमर्स एवं मैनेजमेंट के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए बी.कॉम., बी.बी.ए. एवं एम.कॉम. जैसे पाठ्यक्रम अत्यंत उपयोगी हैं। वहीं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को देखते हुए बी.सी.ए., बी.एससी. (कंप्यूटर साइंस), पीजीडीसीए एवं डीसीए जैसे कोर्स विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान एवं डिजिटल कौशल प्रदान करते हैं। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थी आईटी, सॉफ्टवेयर, डेटा मैनेजमेंट एवं विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।कला संकाय के विद्यार्थियों के लिए बी.ए. एवं एम.ए. में हिंदी, अंग्रेजी एवं राजनीति विज्ञान जैसे विषय उपलब्ध हैं। इन विषयों के माध्यम से विद्यार्थी शिक्षण, शोध, प्रशासनिक सेवाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा अन्य शैक्षणिक क्षेत्रों में अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकते हैं। इसके अतिरिक्त पत्रकारिता (Journalism) का पाठ्यक्रम मीडिया, प्रिंट, डिजिटल एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में करियर बनाने वाले विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर प्रदान करता है।महंत कॉलेज इंग्लिश मीडियम में शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। महाविद्यालय समय-समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद प्रतियोगिताएं, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), सामाजिक जागरूकता अभियान, करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम तथा विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करता है, जिससे विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं आत्मविश्वास का विकास होता है।महाविद्यालय में अनुभवी एवं योग्य प्राध्यापकों द्वारा आधुनिक शिक्षण पद्धति के माध्यम से अध्ययन कराया जाता है। स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, प्रयोगशालाएं एवं अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संस्थान विद्यार्थियों को नियमित मार्गदर्शन एवं शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराता है ताकि वे अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त कर सकें।महाविद्यालय प्रबंधन ने बताया कि 12वीं एवं स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी अपनी योग्यता के अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर अपने करियर को नई दिशा दे सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया सरल एवं पारदर्शी है तथा इच्छुक विद्यार्थी आवश्यक दस्तावेजों के साथ महाविद्यालय में सीधे संपर्क कर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।संस्थान ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए समय पर प्रवेश सुनिश्चित करें। सीमित सीटों के कारण इच्छुक विद्यार्थियों को शीघ्र आवेदन करने की सलाह दी गई है।महंत कॉलेज इंग्लिश मीडियम वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित वातावरण एवं उत्कृष्ट परिणामों के माध्यम से विद्यार्थियों का विश्वास जीतता आया है। संस्थान का लक्ष्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे जिम्मेदार, कुशल एवं आत्मनिर्भर नागरिक तैयार करना है जो समाज एवं राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

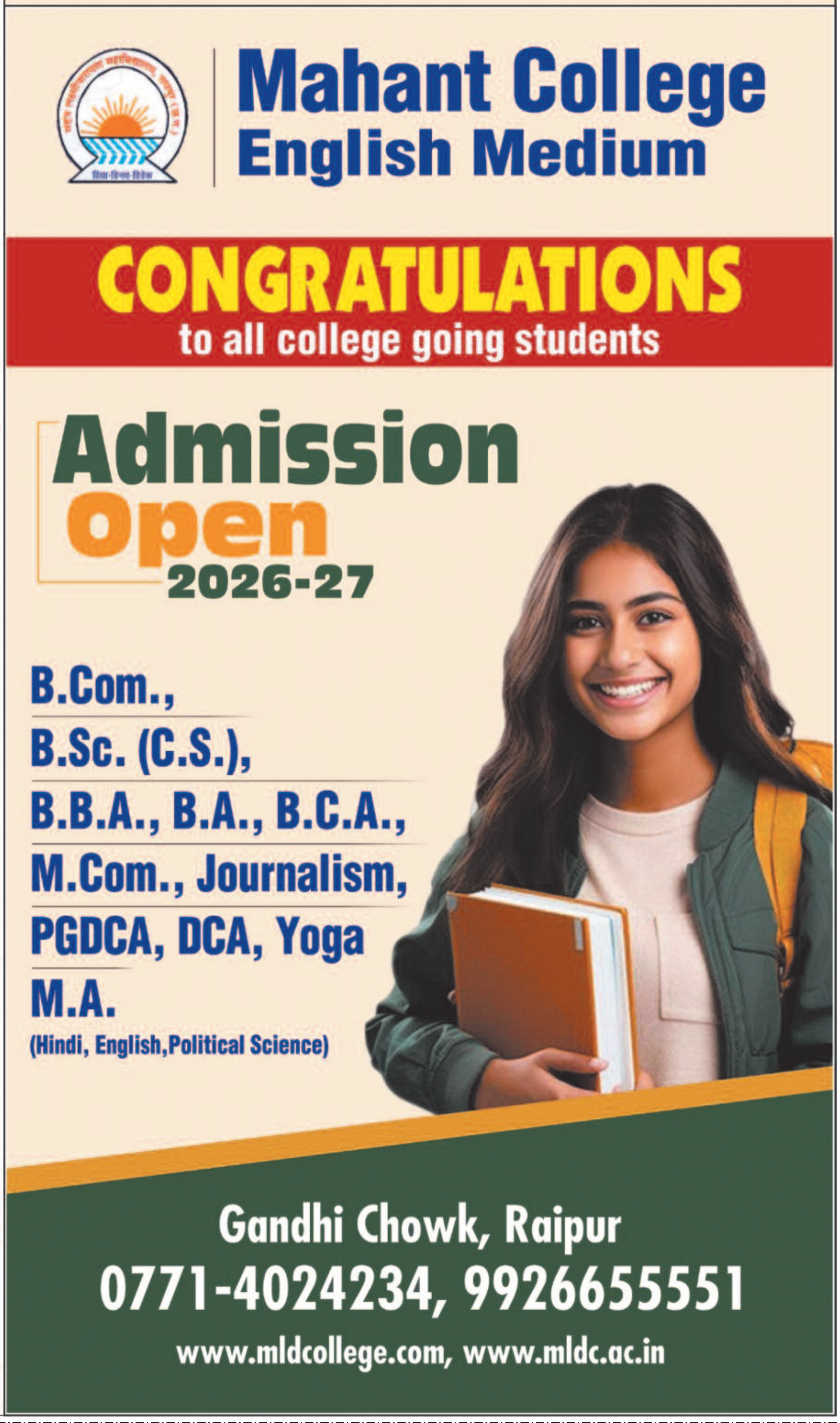

विशेष बच्चों के भविष्य को रोशन करने का अवसर - पियाली फाउंडेशन कॉलेज में बी.एड./डी.एड. सीधे प्रवेश खुले

विशेष शिक्षक (Special Educator) बनने के लिए, आपको विशेष शिक्षा में प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। इसके लिए आप विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम जैसे कि डिप्लोमा, डिग्री पाठ्यक्रम कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में, आपको विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान सिखाया जाता है।

हमारे सफल विद्यार्थी (स्पेशल एजुकेटर)

रंजु साहू
गर्वनमेट न्यू प्राईमरी स्कूल, अयोध्या नगर, चंगोराभाठा

रूबी वर्मा
गर्वनमेट न्यू प्राईमरी स्कूल, सीता नगर, रायपुर

मोइन कुमार
गर्वनमेट ज्ञान ज्योति शाला शांति नगर, नारायणपुर

विशेष शिक्षक बनने के लिए कुछ सामान्य पाठ्यक्रम :

- **डिप्लोमा इन स्पेशल एजुकेशन (D.Ed. Special Education):**
  यह पाठ्यक्रम 12वीं कक्षा 50% के साथ किया जा सकता है और इसमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए बुनियादी कौशल सिखाए जाते हैं।
- **बी.एड. इन स्पेशल एजुकेशन (B.Ed. Special Education):**
  यह पाठ्यक्रम स्नातक 50% के साथ किया जा सकता है और इसमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए उन्नत कौशल और ज्ञान सिखाया जाता है। यह पाठ्यक्रम पियाली फाउण्डेशन द्वारा संचालित किया जाता है जो विशेष शिक्षा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

विशेष शिक्षा में करियर:

- विशेष शिक्षक विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के साथ काम करते हैं, (बौद्धिक अक्षमता, ऑटिज्म, अधिगम अक्षमता, S.L.D.) वाले बच्चे।
  विशेष शिक्षक विभिन्न प्रकार के सेटिंग्स में काम कर सकते हैं, जैसे कि: सरकारी और निजी स्कूल, पुनर्वास केंद्र, विशेष विद्यालय, गैर सरकारी संगठन (एनजीओ), केन्द्रीय विद्यालय, प्राईवेट हॉस्पिटल, सरकारी हॉस्पिटल, सरकारी स्कूल।

पियाली फाउण्डेशन कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन द्वारा स्पेशल एजुकेशन में दो वर्षीय बी.एड. एवं डी.एड. का पाठ्यक्रम प्रवेश प्रारंभ किया जा रहा है और 2026-27 सत्र के लिए आवेदन संस्था द्वारा मंगवाया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यार्थी आवेदन पत्र संस्था में सीधे जमा करके प्रवेश पा सकते है।

संस्थान की प्रमुख मीता मुखर्जी के अनुसार यह पाठ्यक्रम सभी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए है। उपरोक्त पाठ्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा पं. रविशंकरशुक्ल विश्वविघालय से संबंद्धता प्राप्त है।

बी.एड. स्पेशल एजुकेशन पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अर्हता स्नातक है। स्नातक में 50 प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। इस पाठ्यक्रम में सीधा प्रवेश दिया जाएगा। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी अपना सुनहरा भविष्य बना सकते है।

डी.एड. स्पेशल एजुकेशन पाठ्यक्रम में प्रवेश की अर्हता 12वीं 50 प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है।

मीता मुखर्जी
अध्यक्ष,
जागरूक पैरेन्ट्स एसोसिएशन, रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त

पियाली फाउण्डेशन स्पेशल स्कूल

जागरूक पैरेंट्स एसोसिएशन द्वारा संचालित

पियाली स्कूल विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का एकमात्र ऐसा संस्था जहां पढ़ने, लिखने तथा सीखने में विलंबता का निदान है।

इन समस्याओं के संपर्क करें

- पढ़ने, लिखने व गणित में समस्या
- एकाग्रता की कमी
- व्यवहारिक समस्यायें
- बौद्धिक अक्षमता
- क्लास में ध्यान देने में असमर्थता
- अति चंचलता स्थिर न बैठना
- चलने, फिरने या बोलने में समस्या

उपलब्ध सुविधायें

- रेमेडियल टीचिंग-पढ़ने लिखने में समस्या का निदान
- ओक्युपेशनल थैरेपी
- विशेष शिक्षा
- परामर्श/काउनसिलिंग
  प्रशिक्षण अभिभावक व टीचरों का
  स्कूल रेडीनेस प्रोग्राम (शाला के प्रवेश से पहले तैयारी)

पियाली फाउण्डेशन कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन

Admission Notification for 2026-27 (Academic Session)

ADMISSION OPEN

विशेष शिक्षक बनने का सुनहरा अवसर

बी. एड., डी. एड.

सीधा प्रवेश प्रारंभ - 2026

(Without CG Pre B.Ed Entrance)

D.Ed & B.Ed Special Education (ID)

पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी, रायपुर से संबंद्ध भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त

CAREER OPPORTUNITY IN SPECIAL EDUCATION

NGOS/PRIVATE SECTOR			
SPECIAL SCHOOLS	PRIVATE HOSPITALS & INCLUSIVE SCHOOLS	NORMAL SCHOOLS	SSA/ RMSA

GOVT. SECTOR			
GOVT HOSPITAL	SOCIAL WELFARE DEPARTMENT	KVS / DSSSB / CBSE	GOVT SCHOOLS

84353 86927
98271 28346

Old Dhanvantari Hospital, New Shanti Nagar, Gorakha Colony, Shankar Nagar, Raipur

योग से स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ रहा रायपुर

Aurastic House ने शुरू की आधुनिक योग एवं वेलनेस क्लासेस

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, अनियमित खान-पान, मानसिक तनाव और शारीरिक निष्क्रियता के कारण अनेक लोग मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप, कमर दर्द, अनिद्रा, तनाव, अवसाद और अन्य जीवनशैली संबंधी बीमारियों से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन जीने की एक वैज्ञानिक एवं प्रभावी पद्धति बनकर उभरा है। इसी उद्देश्य को लेकर Aurastic House द्वारा रायपुर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त योग एवं वेलनेस क्लासेस का शुभारंभ किया गया है, जहाँ प्रत्येक आयु वर्ग के लोगों के लिए अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में नियमित योग प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है।

योग एवं डांस क्लासेस: स्वस्थ शरीर, रचनात्मक मन

Aurastic House में योग के साथ-साथ प्रोफेशनल डांस क्लासेस भी संचालित की जाती हैं। यहाँ बच्चों को शारीरिक फिटनेस, आत्मविश्वास, अनुशासन और मंच पर प्रस्तुति देने का प्रशिक्षण दिया जाता है।हमारे विद्यार्थियों ने विभिन्न डांस प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान (1st Prize) प्राप्त किया है। इसके साथ ही बच्चों को प्रसिद्ध कोरियोग्राफर Shezaan Khan की विशेष डांस वर्कशॉप में भाग लेने का अवसर भी मिला, जहाँ उन्होंने नई तकनीकों और प्रोफेशनल डांस स्किल्स को सीखा।Aurastic House का उद्देश्य केवल योग और डांस सिखाना नहीं, बल्कि हर बच्चे और हर व्यक्ति के व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास करना है।

Yoga for Kids, Ladies & Adults
Professional Dance Classes

लेडीज़ स्पेशल ज़ुम्बा एवं एरोबिक्स क्लासेस

Aurastic House में महिलाओं के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन की गई Ladies Special Zumba & Aerobics Classes संचालित की जाती हैं। इन क्लासेस में मनोरंजक संगीत के साथ फिटनेस को आसान और आनंददायक बनाया जाता है। ज़ुम्बा के साथ-साथ स्टेपर (Stepper), एरोबिक बॉल (Aerobic Ball) तथा विभिन्न प्रकार के एरोबिक्स एक्सरसाइज़ का अभ्यास कराया जाता है, जिससे वजन नियंत्रित करने, शरीर को टोन करने, स्टैमिना बढ़ाने और संपूर्ण स्वास्थ्य में सुधार होता है।फिटनेस को और भी रोचक बनाने के लिए बॉलीवुड डांस, बेली डांस, क्लासिकल डांस तथा अन्य डांस स्टाइल्स के माध्यम से ज़ुम्बा सिखाया जाता है। प्रत्येक सत्र में महिलाओं की आयु, फिटनेस स्तर और आवश्यकताओं के अनुसार सुरक्षित एवं प्रभावी प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे वे स्वस्थ, आत्मविश्वासी और ऊर्जावान जीवन की ओर आगे बढ़ सकें।

संस्था का उद्देश्य केवल योगासन सिखाना नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है। Aurastic House का मानना है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है और योग इस लक्ष्य तक पहुँचने का सबसे सरल, सुरक्षित और प्राकृतिक माध्यम है।

संस्था के संचालकों ने बताया कि वर्तमान समय में लोग छोटी-छोटी समस्याओं के लिए भी दवाइयों पर अत्यधिक निर्भर हो गए हैं। महिलाओं के लिए विशेष योग सत्रों में वजन नियंत्रण, हार्मोनल संतुलन, पीठ एवं कमर दर्द से राहत, तनाव प्रबंधन, फिटनेस तथा संपूर्ण स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाता है। वहीं वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित एवं सरल योग अभ्यास कराए जाते हैं, जिससे जोड़ों के दर्द, संतुलन की समस्या, श्वसन क्षमता तथा मानसिक स्वास्थ्य में सुधार हो सके। संस्था का कहना है कि नियमित योगाभ्यास से शरीर की लचक बढ़ती है, मांसपेशियाँ मजबूत होती हैं, रक्त संचार बेहतर होता है तथा मानसिक तनाव कम होता है। साथ ही ध्यान और प्राणायाम व्यक्ति को आंतरिक शांति प्रदान करते हैं, जिससे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

योग अपनाकर स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ रहा है समाज, नियमित अभ्यास से बदल रही जीवनशैली

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, अनियमित खानपान, बढ़ता मानसिक तनाव और शारीरिक निष्क्रियता अनेक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रही है। ऐसे समय में योग केवल एक व्यायाम पद्धति नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन को संतुलित करने वाली वैज्ञानिक और प्राकृतिक जीवनशैली के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। विश्वभर में योग के प्रति लोगों का बढ़ता विश्वास इस बात का प्रमाण है कि नियमित योगाभ्यास शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। योग विशेषज्ञों के अनुसार प्रतिदिन 30 से 60 मिनट का नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक रूप से सशक्त, मानसिक रूप से शांत तथा भावनात्मक रूप से संतुलित बनाता है। योग के विभिन्न आसन, प्राणायाम, ध्यान और विश्राम तकनीकें शरीर के प्रत्येक अंग पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। इससे रक्त संचार बेहतर होता है, पाचन तंत्र मजबूत होता है, रीढ़ की हड्डी लचीली बनती है तथा शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है।विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान समय में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, थायराइड, कमर दर्द, सर्वाइकल, जोड़ों का दर्द और तनाव जैसी समस्याओं से बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हैं।

नियमित योगाभ्यास इन समस्याओं की रोकथाम में सहायक होने के साथ-साथ चिकित्सकीय उपचार के पूरक के रूप में भी लाभदायक सिद्ध हो सकता है। हालांकि किसी गंभीर बीमारी की स्थिति में योग प्रशिक्षक और चिकित्सक की सलाह लेकर ही अभ्यास करना चाहिए। यही कारण है कि आज स्कूलों, महाविद्यालयों, कॉर्पोरेट संस्थानों और सरकारी कार्यालयों में भी योग को बढ़ावा दिया जा रहा है।महिलाओं के लिए योग विशेष रूप से लाभकारी है। नियमित योगाभ्यास हार्मोनल संतुलन बनाए रखने, वजन नियंत्रित करने, शारीरिक लचीलापन बढ़ाने तथा मानसिक तनाव कम करने में सहायक होता है। गर्भावस्था के दौरान विशेषज्ञ की देखरेख में किया गया योग माँ और शिशु दोनों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। वहीं वरिष्ठ नागरिकों के लिए हल्के योगासन और प्राणायाम जोड़ों की जकड़न कम करने, संतुलन बनाए रखने और सक्रिय जीवन जीने में मदद करते हैं।